

कैबिनेट से मिली मंजूरी

आरजीपीवी तीन भागों में बंटा, पुनर्गठन के बाद नाम भी बदलेगा

अब भोपाल, जबलपुर और उज्जैन में प्रौद्योगिकी एवं कौशल विवि होंगे



बैठक में सीएम और मंत्रिगण

» **वीबी जी राम जी योजना
पर 29 हजार 619 करोड़
रुपए होंगे खर्च**

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

मप्र में 28 साल पहले खुले राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) को तीन भागों में बांटने के निर्णय पर मुहर लग गई। कैबिनेट ने प्रदेश भर में टेक्नालॉजी के विकास के लिए भोपाल के साथ ही साख जबलपुर व उज्जैन में अलग-अलग तीन विश्वविद्यालयों को मंजूरी दी है। डेयरी विकास योजना के तहत सहकारी दुग्ध समितियों का विस्तार 7331 से बढ़ाकर 26 हजार गांवों तक करने के लिए 2 हजार 973 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इससे दूध का रोजाना संकलन 12 लाख से बढ़ाकर 52 लाख किलोग्राम करने

» सांची ब्रांड के उन्नयन के लिए कैबिनेट ने 2 हजार 973 करोड़ की मंजूरी दी

तक हो सकेगा। कैबिनेट की बैठक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई। इसमें तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में क्षेत्रीय संतुलन और गुणवत्ता विस्तार की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए आरजीपीवी का पुनर्गठन करने निर्णय लिया गया। इसके तहत कैबिनेट ने मोहापल, उज्जैन और जबलपुर में तीन नए प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्थापित करने का मंजूरी दी है। इसके अतिरिक्त राज्य के दुग्ध उत्पादकों के आर्थिक सशक्तिकरण और सांची ब्रांड के उत्थन के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के सहयोग से 2 हजार 973 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई।

3 लाख 83 हजार से अधिक विद्यार्थी :
मौजूदा आरजीपीवी भोपाल का पुनर्गठन कर उसके स्थान पर अब राज्य में 3 पृथक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्थापित किए जाने की मंजूरी दी गई है। इसके तहत भोपाल स्थित वर्तमान विश्वविद्यालय को मध्य भारत प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय होगा। उज्जैन के स्वशासी इंजीनियरिंग कॉलेज को मानव प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय तथा जबलपुर के स्वशासी इंजीनियरिंग कॉलेज को महाकौशल प्रौद्योगिकी एवं कौशल विधि के रूप में स्थापित किया जाएगा।

**प्रशासनिक संचालन के लिए लिए
अलग-अलग कुलगुरु होंगे**

उज्जैन एवं जबलपुर में नवीन स्थापित होने वाले दोनों विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक संचालन के लिए प्रारंभिक स्तर पर कुलगुरु, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, उपा कुलसचिव तथा वित्त अधिकारी के पदों को मंजूरी दी गई है। साथ ही अन्य सहायक व तकनीकी पदों को नियमानुसार आउटसोर्सिंग के माध्यम से भरा जाएगा। इन पदों का वेतन आठरण प्रारंभिक रूप से विश्वविद्यालयों की उपलब्ध संचयन के बजट के आधार पर ये संयमन स्व-वित्तीय आधार पर संचालित होंगे। कैबिनेट ने तीनों विश्वविद्यालयों की स्थापना एवं अनुवर्ती कार्यवाही को गति देने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय 'मैत्र प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय साधकार समिति' के गठन को भी स्वीकृति प्रदान की है। इस समिति में तकनीकी प्रशिक्षण, कौशल विकास एवं रोजगार, वित्त, उच्च शिक्षा और सामान्य प्रशासन विभाग के सचिवों एवं मध्य भारत प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु सदस्य आयुक्त तकनीकी शिक्षा को सदस्य सचिव के रूप में शामिल किया गया है।

वीबी जी राम जी योजना : केंद्र और राज्य का अंश

60-40 का रहेगा

कैबिनेट ने विकसित भारत (ग्रामीणी): वीबी जी राम जी विकसित भारत जी योजना की शुरुआत 1 जुलाई 2026 से प्रभावी किए जाने का अनुसमर्थन किया। योजना के कार्यान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में अनुमानित लागत 3,183 करोड़ रुपए तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक योजना की निरंतरता के लिए कुल अनुमानित लागत 26,436 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव अनुसमर्थन किया गया।



चित्रकूट में हर जगह पानी ही पानी

चित्रकूट में फिर **उफान पर मंदाकिनी**
कई बस्तियों में घुसा पानी, 100 लोगों
का रेस्क्यू, 3 तक स्कूल-कॉलेज बंद



बचाव दल बोट के साथ

- ▶ आरोग्यधाम, केवटरा और नयागांव में बाढ़ जैसे हालात
- ▶ कलेक्टर-एसपी खुद मैदान में डटे, रीवा कमिश्नर ने ली समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ | सतना/ चित्रकूट

सतना जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से पवित्र नगरी चित्रकूट में मंदकिनी नदी का जलस्तर खतरों के निशान के पास पहुंच गया है। नदी का पानी आरोगध्याम घाट, लोसरिहा, केठरा और नयागांव जैसे निचले रिहाइशी इलाकों में भर गया। हालाँकि, दोपहर बाद जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई, जिसके बाद प्रशासन राहत, बचाव और स्वच्छता अभियान तेज कर दिया है। मौसम और जलभरव की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने सतना जिले के सभी स्कूलों, कॉलेजों और आंगनवाड़ी केंद्रों में 3 सितंबर तक अवकाश बढ़ा दिया है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें ने लाउडस्पीकर से मुनादी कराकर निचले इलाकों में फंसे 100 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। प्रभावितों के लिए वन देवी आश्रम में 2 बड़े हॉल खलवाकर की व्यवस्था की गई है।

**फेम इंडिया-एशिया पोस्ट से सम्मान
मप्र की पूर्व एसपी श्रद्धा तिवारी
टॉप-25 पुलिस कप्तानों में शामिल**



हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश में पुलिस अधीक्षक के रूप में उत्कृष्ट सेवाएं दे चुकीं वरिष्ठ अधिकारी श्रद्धा तिवारी को देश के टॉप-25 पुलिस अधीक्षकों में चुना गया है। फेम इंडिया-एशिया पोस्ट द्वारा किए गए राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण में उन्हें प्रभावी पुलिस नेतृत्व, अपराध नियंत्रण, जनसुरक्षा, कानून-व्यवस्था और तकनीक के बेहतरीन उपयोग के आधार पर इस सीमें

स्थान मिला है। फेम इंडिया के अनुसार चयन प्रक्रिया में केवल वरिष्ठता को आधार नहीं बनाया गया, बल्कि अधिकारियों के फोल्ड अनुभव, नवाचार, आपातकालीन प्रतिक्रिया और जनता के बीच पुलिस को विश्वसनीयता बढ़ाने जैसे मानकों को देखा गया। सर्वेक्षण में देशभर से चुने गए 100 अधिकारियों में से अंतिम 25 अधिकारियों की सूची जारी की गई है, जिसमें श्रद्धा तिवारी का नाम शामिल है। आज के समय में साइबर अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी और महिला सुरक्षा जैसी उभरती चुनौतियों से निपटने में उनके तकनीक-सक्षम और जनकेंद्रित पुलिसिंग मॉडल को विशेष रूप से सराहा गया है।

अपहृत युवक 18 घंटे में शिवपुरी से सकुशल मुक्त
3 लाख रुपए की फिरौती मांगी
दो परिचितों में से एक दबोचा



तानसेन नगर से दो परिचितों द्वारा एक युवक का अपहरण कर 3 लाख रुपए की फिरौती मांगने के मामले का पुलिस ने 18 घंटे के भीतर खलासा कर दिया है। पुलिस ने

मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर शिवपुरी के बैराड़ में दबिश देकर युवक को सकुशल मुक्त कराया और एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। निजी कंपनी में कार्यरत वीरू करण को सोमवार दोपहर उसके दो परिचित घर से ले गए थे।

देशवासियों को उनके संकल्प और कड़ी मेहनत के लिए बधाई देता हूँ। यह हमारी सामूहिक शक्ति का प्रमाण है। दुनिया युद्ध में डूबी हुई है। चारों तरफ युद्ध की खबरें हैं। दुनिया संकटों से घिरी हुई है। सलाहें देने की पूरी तरह से गड़बड़ गई है। 2020 में कोविड के दौर से लेकर आज तक कहीं भी स्थिरता नजर नहीं आ रही है। इसके बावजूद भारत देशों के अगर बह रहा है। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से अपील की कि वे खबरों की यात्रा करते समय स्वदेशी चीजों को प्राथमिकता दें।

एजेसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को 7.8% की शानदार जीडीपी ग्रोथ के लिए बधाई देते हुए एक बार फिर नागरिकों से आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को दोहराने की अपील की। सोशल मीडिया पर जारी किए गए वीडियो में प्रधानमंत्री ने मंगलवार सुबह कहा कि देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई। 7.8% की विकास दर ने देश में खुशी का माहौल बना दिया है। मैं

पीएम ने देशवासियों से
फिर स्वदेशी अपनाने,
विदेश यात्रा
और अनावश्यक सोना
खरीदने से बचने का
आग्रह किया

पॉलिसी एक बार, फ़ायदे बार-बार.

7 सितंबर
2026
से उपलब्ध

एलआईसी की बीमा प्लेटिनम जीवन सुरक्षा, गारंटीड एडिशनल्स और अन्य कई लाभ प्रदान करती है, साथ ही आपके भविष्य को और समृद्ध बनाती है.

प्रस्तुत है

एलआईसी की

बीमा प्लेटिनम

यूआईएन: 512N397V01 | प्लान नं.: 770
मॉन-घर, मॉन-लिख, जीवन, व्यक्तिगत, बचत योजना

मुख्य विशेषताएं:

- गारंटीड एडिशनल्स - प्रत्येक ₹1,000/- के कुल वार्षिकीकृत प्रीमियम पर ₹70/- की दर से प्रतिवर्ष प्रीमियम भुगतान अवधि (Premium Paying Term-PPT) के दौरान अर्जित होंगे
- बूस्टर इनकम बेनिफिट - PPT के बाद 5वें वर्ष के अंत में मूल बीमा राशि का 70%
- नियमित आय लाभ - भुगतान अवधि (Policy Term minus PPT) के दौरान मूल बीमा राशि का 10% प्रतिवर्ष समाप्ति पर
- मौजूदा एलआईसी पॉलिसीधारकों तथा दिवंगत पॉलिसीधारकों के नामितों/लाभार्थियों के लिए रिबेट
- राइडर लाभों के माध्यम से बीमा सुरक्षा बढ़ाने का विकल्प

ऑनलाइन भी उपलब्ध

क्यूआर कोड स्कैन करें और
My LIC App डाउनलोड करें

कॉन्सल्टेंट एंड एजेंट्स
0221 6827 5827

8976862090

अधिक जानकारी के लिए, अपने बीमा एजेंट/अपनी निकटतम एलआईसी शाखा से संपर्क करें/ www.licindia.in पर जाएं
इस चर्ची छवि को: LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

पोल्सिप्री बालें कोन कलिय तथा इहे/भयक प्ररलरों से रावधन नहं. जई-जगदीपआई, या इहेके जनेवारी बीमा धवधवा जैते की बीमा जौरीराल की बिडी, केनर की पोषता या प्रेमियम के निवेर, वरिषा लोटापन जैती कोई से लोरीरियम में हासिल नही होत है. जिन पॉलिसीधारकों का संघीयत प्रकृति को ऐसे कोन बीमा बिना, न कृपया पुनिक में इससे शिकायत एवं करें. कृपया बिडी के समायन से चहुने बिडी पुनिका को ध्यान से पढ़ लें.

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

A generated image

LICRI/2026-27/1774n

**7 सितंबर
2026
से उपलब्ध**



रहे खुशियाँ सुरक्षित

उनका कल सुरक्षित करें, और खुशियों को यँ ही खिलने दें.

प्रस्तुत है



एलआईसी की जीवन रक्षा

यूआईएन: 512N368V01 | प्लान नं.: 894

मॉन-पार, मॉन-लिंकड, जीवन, व्यक्तिगत, शुद्ध जोखिम योजना



ऑनलाइन भी उपलब्ध

मुख्य विशेषताएँ:

- पॉलिसी अवधि के दौरान बीमित व्यक्ति की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु होने की स्थिति में परिवार को वित्तीय सहायता का प्रावधान
- ₹5 लाख की न्यूनतम बीमा राशि
- प्रीमियम भुगतान की विभिन्न अवधियों में से चुनने की सुविधा
- महिलाओं के लिए विशेष दरें
- आकर्षक उच्च बीमा राशि रिबेट का लाभ
- साइडर विकल्प उपलब्ध

यसुआर कोड स्कैन करें और
My LIC App डाउनलोड करें






एलआईसी की India.in

कॉल सेंटर कॉल करें
0221 6837 6837

इमरजेंसी कॉल करने पर

8976862090

अपनी 'Hi' करें

अधिक जानकारी के लिए, अपने बीमा एजेंट/अपनी निकटतम एलआईसी शाखा से संपर्क करें। www.licindia.in पर जाएं।

हमें यहाँ भी पाओगे:  LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

पोस्टेबल वाले पोल कॉलिंग तथा ड्रॉ/आमक प्रस्तावों से सम्बंधित नहीं है। आईआईआईआईआई या इसके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा बीमितियों की बिक्री, बीमा की घोषणा या प्रेषित्व के निदेश, रोकथाम, लॉन्गटर्म जैसे कोई भी वित्तीय/वित्तीय में शामिल नहीं होते हैं। जिन पोलिसीधारकों का संबंधित ब्राह्मणों को ऐसे पोल कॉलिंग मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी रिपोर्ट दर्ज करें, कृपया बिचुरी के सम्बन्ध से एलआई बिचुरी पुलिस को ध्यान से पढ़ें।



LIC

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

डॉक्टरों पर हमले को हल्के में नहीं लिया जा सकता, हमला करने वाले जमानत के हकदार नहीं, अस्पताल के अंदर ऐसा करना बेहद चिंताजनक

याथल श्रद्धालुओं के अनुसार पिकअप में सभी लोग धार्मिक यात्रा पर निकले थे। केएमपी एक्सप्रेसवे से गुजरते समय चालक की अचानक आंख लगा गई। इसी दौरान अनिर्जित हुई पिकअप सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से जा टकराई। राहगीर मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस और स्थानीय लोगों ने कड़ी मशकत के बाद पिकअप में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

भाजपा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया प्रदेश कार्यसमिति बैठक को संबोधित’

विशेष प्रतिनिधि ►► भोपाल

श्रीराम राजा सरकार की पावन धरा ओरछा में भाजपा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति बैठक का सोमवार को समापन हुआ। इस बैठक को भाजपा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दूसरे दिन विभिन्न सत्रों को संबोधित किया। भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा-सुशासन व गरीब कल्याण के 25 वर्षों की यात्रा को विकसित भारत के संकल्प से जोड़कर कार्य करें। जनता की सेवा ही नारायण सेवा है, इसी भाव से जन-जन के बीच संगठन का विस्तार करें। संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर चल रहे ‘समरसता संकल्प’ के कार्यक्रमों को सत्ता और संगठन मिलकर व्यापक स्तर पर आयोजित करें। इस दौरान मंच पर क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य, केंद्रीय मंत्री वीरेन्द्र कुमार सहित अन्य नेता मंचासीन रहे।



एक माह तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

पीएम के सेवा-सुशासन व गरीब कल्याण के 25 वर्षों की यात्रा को विकसित भारत के संकल्प से जोड़कर कार्य करें



भाजपा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि पीएम मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से एक माह तक यानी 17 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से मोदी के 25 वर्षों की लोकसेवा यात्रा और उनके नेतृत्व में देश में हुए परिवर्तन को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। 15 अगस्त 1947 से पहले देश के सामने एक स्पष्ट लक्ष्य था कि

भारत को स्वतंत्र करना है। देश के महापुरुषों ने अपना जीवन इसी लक्ष्य के लिए समर्पित किया। आज हमारे सामने विकसित भारत का लक्ष्य है और हमें इसी प्रकार बड़े संकल्प के साथ आगे बढ़ना है। देश को छोटे सपने नहीं, बल्कि बड़े सपने देखने चाहिए। मोदी के सेवा-सुशासन व गरीब कल्याण के 25 वर्षों की यात्रा को विकसित भारत के संकल्प से जोड़कर कार्य करें।

कांग्रेस लगातार वर्ग संघर्ष बढ़ाने का कार्य कर रही है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस लगातार वर्ग संघर्ष बढ़ाने का कार्य कर रही है। कांग्रेस ने पहले मुस्लिम लीग के साथ समझौता किया था और आज भी केरल में मुस्लिम लीग के साथ समझौता कर सत्ता में आई है। कांग्रेस पहले भी तुष्टिकरण की राजनीति करती रही है और आज भी वही कार्य कर रही है। सत्ता की भूख के कारण कांग्रेस समय-समय पर समाज को बांटने का प्रयास करती रही है। इसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी सामाजिक समरसता और सबका साथ, सबका विकास की भावना के साथ कार्य करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर प्रदेश और देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाना है। मध्यप्रदेश लगातार विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब भाजपा सरकार ने लाड़ली बहना योजना का संकल्प लिया था, तब कांग्रेस ने इसका मजाक उड़ाया और कहा था कि यह योजना चल नहीं सकती। आज 1 करोड़ 25 लाख बहनों के खातों में लगातार राशि पहुंच रही है और सरकार 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि बहनों के खाते में पहुंच चुकी है। सरकार महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता देने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें रोजगार और आमनिर्भरता से जोड़ने के लिए भी नई योजनाओं पर काम कर रही है।

प्रदेशाध्यक्ष ने पत्रकारों से की चर्चा

प्रदेश कार्यसमिति में हर वर्ग, हर क्षेत्र को लेकर चिंतन-मंथन हुआ: खंडेलवाल
भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने ओरछा में आयोजित भाजपा प्रदेश कार्यसमिति बैठक के समापन के बाद आयोजित प्रेस-बीफिंग को संबोधित किया। इस अवसर पर खंडेलवाल ने कहा कि आज श्रीराम राजा की नगरी ओरछा में भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक संपन्न हुई है। हम यहां नई दिशा और नए संकल्प लेने के लिए आए थे और अब उन पर लगातार आगे बढ़ेंगे। प्रदेश कार्यसमिति में भाजपा संगठन और हमारी विचारधारा को ज्यादा मजबूत करने को लेकर भी चर्चा हुई। भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति में हर वर्ग और हर क्षेत्र को लेकर चिंतन-मंथन हुआ। इस दौरान युवा, महिलाएं, किसान, आदिवासी, अजा-अजजा वर्गों को लेकर चर्चा हुई एवं प्रदेश में उद्योग, रोजगार सहित अन्य मुद्दों की लेकर भी प्रदेश कार्यसमिति में विचार-विमर्श हुआ। कार्यसमिति में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिसकी आत्मसात करके सभी पदाधिकारी अब उस दिशा में काम करेंगे। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया सह-संयोजक आशीष उषा अववाल उपस्थित रहे।

ओरछा में निर्माण कार्यो, रामराजा लोक के स्थापत्य मॉडल का किया सीएम ने किया अवलोकन

रामराजा लोक से निखरेगी बुंदेलखंड की पहचान, रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

विशेष प्रतिनिधि ►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि ओरछा को पर्यटन के अद्भुत एवं अनुपम केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। ओरछा का राम राजा मंदिर हमारे गौरवशाली अतीत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संपदा है। यहां के मंदिर एवं महल तत्कालीन समृद्ध स्थापत्य के प्रत्यक्ष उदाहरण हैं, जो हमें हमारी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से जोड़े रखते हैं। ये तत्कालीन उन्नत तकनीक और स्थापत्य के भी अद्भुत उदाहरण हैं, पहले एअर कंडीशनर नहीं होते थे, लेकिन यहां के भवन वातानुकूलित बने हैं, जो गर्मी में ठंडे और ठंड में गर्मी का एहसास कराते हैं। डॉ यादव ने सोमवार को ओरछा स्थित ऐतिहासिक एवं आस्था के प्रमुख केन्द्र रामराजा लोक में जारी निर्माण कार्यो और रामराजा लोक के स्थापत्य मॉडल का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्यो की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यो को गुणवत्ता के साथ निष्पक्षित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। डॉ यादव निरीक्षण के बाद मीडिया से चर्चा कर रहे थे।



प्रतिष्ठान संचालकों से किया संवाद, सूनी सनस्याएं

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने निर्माणाधीन रामराजा लोक परिसर में विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुए प्रतिष्ठान संचालकों से संवाद किया तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ डॉ यादव ने जुझार सिंह महल में चल रहे निर्माण तथा जीर्णोद्धार कार्यो का निरीक्षण किया। उन्होंने जहांगीर महल का भ्रमण कर यहां की ऐतिहासिक एवं समृद्ध

स्थापत्य कला का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री को निरीक्षण के दौरान आर्किटेक्ट झरा मंदिर परिसर स्थित प्राचीन एवं ऐतिहासिक 'सावन-भादो' स्तंभों के संरक्षण एवं उनके स्थापत्य महत्व के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। बताया कि रामराजा लोक की संरचना एवं विकास कार्यो को आकार देते समय मंदिर परिसर की प्राचीन धरोहरों, विशेषकर 'सावन-भादो' स्तंभों के मूल स्वरूप एवं ऐतिहासिक महत्व का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

प्राचीन महल और भवन, हमारी समृद्ध विरासत

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि हमारे गौरवशाली बुन्देला राजाओं का ओरछा बुंदेलखंड की राजधानी के रूप पहचाना जाता था। यहां के प्राचीन महल और भवन, हमारी समृद्ध विरासत हैं, उसे जीवंत करने के लिए सरकार काम कर रही है। तत्कालीन समय में निर्माण कार्यो में जिस प्रकार की सामग्री लगाई जाती थी, उसी सामग्री से भवनों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य यह है कि हमारे गौरवशाली अतीत के प्रतीक ये भवन उसी स्वरूप में दिखे जिस स्वरूप में वह वर्षों पहले थे। इसके लिए हमारे अधिकारियों के नेतृत्व और मार्गदर्शन में कुशल कारीगर काम कर रहे हैं।

प्रमुख तीर्थस्थलों का किया जा रहा समग्र विकास

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि श्री महाकाल महालोक के निर्माण के बाद उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, उज्जैन की अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है। इसी तर्ज पर प्रदेश के प्रमुख तीर्थस्थलों जैसे ओरछा, चित्रकूट, दतिया, नलखेड़ा, पशुपतिनाथ मंदीर आदि का भी समग्र विकास किया जा रहा है। इससे धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। भगवान श्रीराम ने अपने 14 वर्ष के वनवास में, लम्बी अवधि चित्रकूट में व्यतीत की। भगवान श्रीकृष्ण की जहां शिक्षा भी हुई, उज्जैन के सांढीपनि आश्रम सहित भगवान श्रीकृष्ण की जहां-जहां लीलाएं हुईं, उन सब स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा। ओरछा में भव्य श्री रामराजा लोक का निर्माण किया जा रहा है, जो आने वाले समय में देश-दुनिया के श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख तीर्थस्थल बनेंगे।

बिलासपुर साइबर पुलिस की कार्रवाई बैंक खातों को किराए पर देकर साइबर ठगी, दो पर एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ►► बिलासपुर

साइबर अपराधियों को बैंक खाते उपलब्ध कराने और संदिग्ध रकम के लेनदेन में इस्तेमाल किए जाने के मामले में रेंज साइबर थाना पुलिस ने दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं। मंगला स्थित छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की मैनेजर आरती कुरील की शिकायत पर पुलिस ने सांवरिया इंटरप्राइजेस और अजय फार्म हाउस नाम से संचालित बैंक खातों के धारकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। दोनों खातों में करीब 2.32 करोड़ रुपये की संदिग्ध लेनदेन का मामला सामने आया है। बैंक मैनेजर ने पुलिस को बताया कि सांवरिया इंटरप्राइजेस के नाम से

संचालित खाते के धारक राजकुमार धाकड़ (23), निवासी ग्राम निपनिया के खाते में 22 मई से तीन जून 2026 के बीच 12 लाख 11 हजार 680 रुपए का संदिग्ध लेनदेन पाया गया। इसी नाम से छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की व्यापार विहार शराबा में अमृत लाल जाट द्वारा भी खाता खुलवाए जाने की जानकारी बैंक ने पुलिस को दी है। दूसरे मामले में अजय फार्म हाउस के नाम से संचालित खाते के धारक अजय कुमार सोनी (36), निवासी रामनगर, टिकरीपारा, तखतपुर के खाते में 18 मई से 12 जून 2026 के बीच दो करोड़ 20 लाख 68 हजार 443 रुपए का संदिग्ध हस्तांतरण दर्ज किया गया।

उपभोक्ता आयोग ने लगाया जुर्माना नल कनेक्शन कटा, बकाया भी चुकाया, फिर भेज दिया बिल

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

नल कनेक्शन कटने और पुरानी बकाया राशि का पूरा भुगतान होने के बाद भी उपभोक्ता को 1,96,456 रुपए का जल शुल्क और सरचार्ज वसूली नोटिस भेजना रायपुर विकास प्राधिकरण को महंगा पड़ गया। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिरोध आयोग, अतिरिक्त खंडपीठ रायपुर ने आरडीए की कार्रवाई को सेवा में कमी और मनमानी माना है।

आयोग ने आरडीए की ओर से जारी 1,96,456 रुपए के वसूली ज्ञापन को निरस्त कर दिया। इसके साथ ही उपभोक्ता को मानसिक क्षतिपूर्ति और वाद व्यय के रूप में 15 हजार रुपए 45 दिन के भीतर देने का आदेश दिया गया है। यह फैसला आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुंडू और सदस्य डा. आनंद वर्गीस की पीठ ने सुनाया।

2021 में कट चुका था नल कनेक्शन

न्यू शांति नगर निवासी डॉ. सौम्य पाण्डेय ने बताया कि उनकी माता स्वर्गीय सुनीता पाण्डेय ने वर्ष 2010 में आरडीए की रावाभांठा योजना में भूखंड लिया था। प्लॉट पर लगे नल में पानी नहीं आता था। शिकायत के बाद आरडीए ने 17 मार्च 2021 को नल कनेक्शन काट दिया।

पाटनखास पुलिस ने बोरी-बंजारी मार्ग पर घेराबंदी कर कार जब्त की महाराष्ट्र से मप्र निर्मित अवैध शराब की छत्तीसगढ़ में तस्करी, 20 पेटी के साथ कार चालक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►► मोहला

महाराष्ट्र से मध्य प्रदेश निर्मित अवैध शराब की तस्करी कर छत्तीसगढ़ लाए जाने का मामला सामने आया है। पाटनखास पुलिस ने बोरी-बंजारी मार्ग पर घेराबंदी कर एक कार से 20 पेटी शराब बरामद की। पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। जन्म शराब में गोवा व्हिस्की और बडवाइजर बीयर शामिल है। शराब, कार और मोबाइल समेत कुल 5.33 लाख रुपए का माल जब्त किया गया है।

पुलिस के अनुसार, 31 अगस्त को महाराष्ट्र की ओर से एक सफेद कार में बड़ी मात्रा में अवैध शराब ग्राम बंजारी की ओर लाई जा रही है। चौकी पाटनखास पुलिस की टीम ने बोरी-बंजारी मार्ग स्थित महुआ झाड़ के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद संदिग्ध कार (एमएच 31 डीएस 3100) वहां पहुंची। पुलिस ने कार को रोककर तलाशी लेी तो उसमें शराब की 20 पेटियां मिलीं।



पूछताछ में तस्करी से जुड़े लोगों की जानकारी

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और विवेचना में शराब की तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। मामले में अन्य आरोपियों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने

हिस्की, बीयर बरामद हुई

जांच में 14 पेटी गोवा व्हिस्की और छह पेटी बडवाइजर बीयर बरामद हुई। कुल शराब की मात्रा 198 बल्क लीटर बताई गई है। पुलिस ने कार चालक रॉजलिन रहिले (29), निवासी थाना देवरी, जिला गोव्या, को गिरफ्तार कर लिया।

सांसद ने रहवासियों से छह को मांगे आवेदन सिंधी कम्युनिटी हॉल में लिए जाएंगे धारणाधिकार आवेदन, मिलेगा हक

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

राजधानी में ईदगाह हिल्स की सरकारी जमीन पर मकान बनाकर रहने वाले परिवारों को एक फिर मालिकाना हक देने का काम शुरू किया जा रहा है। इसके तहत सांसद आलोक शर्मा ने सिंधी कम्युनिटी गुरुद्वारा टेकरी में छह सितंबर को सुबह 11 बजे से आवेदन जमा करने की अपील की है। राकेश कुकरेजा ने बताया कि ईदगाह हिल्स पर रहने वाले परिवारों को मालिकाना हक देने के लिए छह सितंबर को रहवासियों से आवेदन मांगे गए हैं। यहां पर आवेदनों को पूरी तरह से भरकर कलेक्टरेट भेजा जाएगा। जिसके बाद धारणाधिकार के तहत हक लेने वाले को मालिकाना हक दिया जाएगा। हालांकि अब भी कई परिवार ऐसे हैं, जो दस्तावेजों की कमी की वजह से आवेदन नहीं कर पाए थे।

मालिकाना हक मिलने पर मिलेगा फायदा

यहां रहने वाले परिवारों को मालिकाना हक मिलने से उनके लिए बैंक से लोन, खरीदी-बिक्री, नामांतरण का फायदा मिलना आसान हो जाएगा। इस जमीन पर 2014 के पहले से लोग 25 साल से काबिज हैं और उनके पास बिल, टैक्स जमा करने के दस्तावेज हैं, वे आवेदन कर सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के अध्यक्ष की मौजूदगी में हुई बैठक अब भोपाल, इंदौर और उज्जैन सहित 9 जिलों में चलेगा जीरो फेटिलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे ने सड़कों पर पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं और मृत्यु को रोकने के लिए समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्तर पर समितियों का गठन कर उनसे मदद लेने और उन्हें प्रोत्साहन राशि भी प्रदाय करने की आवश्यकता बतायी है। उन्होंने पशुओं आदि के कारण होने वाली सड़क दुर्घटना को रोकने के लिये लघु और दीर्घ कालीन योजना बनाकर समय-सीमा में क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है। बैठक में इंदौर भोपाल और उज्जैन में जीरो

सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के अध्यक्ष की मौजूदगी में हुई बैठक पशुओं के कारण होने वाले हादसों को रोकने के लिए लघु और दीर्घकालीन योजना बनाकर क्रियान्वयन करें सुनिश्चित

फेटिलिटी डिस्ट्रीक प्रोग्राम प्रारंभ करने पर सहमति बनी। वर्तमान में 6 जिलों धार, सतना, रीवा, सागर, जबलपुर एवं खरगौन के साथ उज्जैन, भोपाल एवं इन्दौर जिलों में भी जीरो फेटिलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम का क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्य सचिव कार्यालय में सम्पन्न हुई बैठक में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक मे यह भी तय किया गया है कि प्रदेश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओ का विश्लेषण कर भविष्य में उक्त स्थलों और कारणों से दुर्घटना नहीं हो, इसके संबंध में कार्य-योजना तैयार कर उसका समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जायेगा।

सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए लाई जाएगी जन-जागरुकता

बैठक में निर्णय लिया गया कि सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए शिक्षा विभाग का सहयोग प्राप्त किया जाये तथा इस संबंध में विभिन्न शिक्षण संस्थानों तथा अन्य एजेंसियों द्वारा सड़क दुर्घटना के संबंध में जन-जागरूकता सुनिश्चित की जाये। प्रदेश में अस्पताल पहुंचाने के लिए औसतन समय 16 मिनट लगता है। प्रयास किया जाए कि इस अंतराल को यथासंभव कम किया जाये। प्रदेश में औसतन प्रतिवर्ष 13 हजार मृत्यु सड़क दुर्घटना से होती है।

जरूरी वित्तीय प्रावधान करें सुनिश्चित

बैठक में अध्यक्ष सप्रे ने सड़क दुर्घटनाओं और इससे होने वाली मृत्यु की संख्या में कमी लाए जाने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने के लिए 4 ई यानि इंजीनियरिंग, इमरजेंसी केयर, इफोर्समेंट और एजुकेशन पर विशेष ध्यान दिए जाने पर जोर दिया। राज्य शासन कायंक्रम के क्रियान्वयन के लिए उचित जिलों के लिये जरूरी वित्तीय प्रावधान सुनिश्चित करें। क्रियान्वयन के लिए सी.एस.आर. और तकनीकी का भी सहारा लिया जाये।

एमपी स्टेट बार काउंसिल चुनाव : 86 प्रत्याशियों का एलिमिनेशन पूरा

पांच बार चेयरमैन, नौ बार सदस्य रहे रामेश्वर नीखरा भी एलिमिनेट

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल निर्वाचन-2026 की द्वितीय चरण की मतगणना में एलिमिनेशन राउंड का 17 वां दिन पूरा हुआ। दो प्रत्याशियों का एलिमिनेशन हुआ। इनमें क्रमांक 90 रामेश्वर नीखरा (गाडरवारा) और क्रमांक 122 हरीश कुमार द्विवेदी (सतना) शामिल हैं। वहीं क्रमांक 20 आशीष उपाध्याय (उज्जैन) की शेष काउंटिंग भी पूरी की गई। अब तक कुल 122 प्रत्याशियों में से 86 प्रत्याशी चुनाव प्रक्रिया से बाहर हो चुके हैं। क्रमांक 89 राकेश सिंह भदौरिया (इंदौर) कोटा पूरा कर चुके हैं, इसलिए उन्हें निर्वाचित माना जाएगा।



रामेश्वर नीखरा का एलिमिनेशन महत्वपूर्ण रहा। वे परिषद के नौ बार सदस्य और पांच बार चेयरमैन रह चुके हैं। मतगणना में यह सवाल भी बना हुआ है कि कोटा

निर्धारण के लिए 23+1 या 18+1 का फार्मूला अपनाया जाए। प्रत्याशियों की ओर से दोनों पक्षों में तर्क दिए जा रहे हैं। इस संबंध में हाई पावर्ड इलेक्शन सुपरवाइजरी कमेटी, नई दिल्ली से मार्गदर्शन मांगा गया है। निर्देश मिलने के बाद उसी के अनुसार मतगणना आगे बढ़ेगी। अब तक पुरुष प्रत्याशियों में अखिलेश कुमार सक्सेना, संदीप मेहता, विवेक सिंह, आरके सिंह सैनी और नित्यानंद मिश्रा बढूत में हैं। महिला प्रत्याशियों में अन्नू पटेल और प्रवीण तिवारी मैदान में हैं। अंतिम पांच महिला प्रत्याशियों के आरक्षण संबंधी प्रविधान के अनुसार चयन किया जाएगा।

निर्मला चर्च में नवीना प्रार्थना के तीसरे दिन हुआ ध्वाजारोहण



जबलपुर। कांचघर स्थित निर्मला चर्च में वेलांकन्नी माता के सम्मान में चल रही नवीना प्रार्थना के तीसरे दिन ध्वजारोहण एवं मिस्सा बलिदान का आयोजन किया गया। मुख्य याजक फा. डेविन वलापेली, प्राचार्य सेंट एलायसियस स्कूल ने ध्वजारोहण कर मिस्सा बलिदान अर्पित किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि माता मरियम अपने जीवन के माध्यम से प्रेम, विनम्रता, सेवा और ईश्वर की आज्ञाकारिता का संदेश देती हैं। उनका जीवन मानवजाति के उद्धार के लिए

प्रेरणादायी है और वे मुक्ति के मार्ग पर विशेष भूमिका निभाती हैं। आयोजन सीएमएस कंपाउंड के विश्वासियों के सहयोग से हुआ। इसमें पल्ली परिषद के क्रिस्टोफर एंथोनी, नूतन साइमन ऑगस्टीन, जेफिफर डिसूजा, लोरेंस बर्नाबास, वसील तिग्गा सहित क्षेत्र के श्रद्धालु उपस्थित रहे। पल्ली पुरोहित फा. जेवियर फ्रांसिस, सचिव शैलेश जॉर्ज, मनोज एंथोनी एवं अल्बर्ट एंथोनी ने श्रद्धालुओं से अधिक संख्या में शामिल होकर आत्मिक लाभ लेने की अपील की।

मेधावी विद्यार्थियों के खातों में पहुंचे 25-25 हजार रुपये



25-25 हजार रुपये भेजे गए हैं, जिसका उपयोग वे लैपटॉप खरीदने के लिए कर सकेंगे। भोपाल में आयोजित मुख्य समारोह में जबलपुर के मेधावी विद्यार्थी ओम चौकसे और शिवांगी नागदेव को मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष रूप से लैपटॉप प्रदान किए। पीडित लज्जा शंकर झा मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह ‘अन्नू’, विधायक अशोक रोहाणी, डॉ. अभिलाष पांडे, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, संयुक्त संचालक घनश्याम सोनी एवं जिला शिक्षा अधिकारी गौतम वबें उपस्थित रहे।

जबलपुर में देश के पहले ‘इवॉल्विंग चैप्टर’ का शुभारंभ



मॉडल बनेगी। जबलपुर चैप्टर मध्यप्रदेश का तीसरा चैप्टर है। उन्होंने बताया कि चैप्टर क्षेत्र के 100 से अधिक कंपनी सेक्रेटरीज को प्रशिक्षण, सेमिनार, तकनीकी सत्र, ज्ञान-विनिमय एवं नेटवर्किंग का मंच देगा। सीएस विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के अवसर भी मिलेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय परिषद सदस्य सीएस आशीष करोदिया, क्षेत्रीय परिषद सदस्य सीएस अनुराग गंगराडे, पूर्व अध्यक्ष सीएस जंजीत पांडे, चेयरमैन सीएस तनवीर सिंह सलूजा, वाइस चेयरमैन सीएस धवल श्रीवास्तव एवं सचिव सीएस उत्सव सिंह उपस्थित रहे। सीएस रंजीत पांडे ने तकनीकी सत्र को संबोधित किया।

वैश्य महासम्मेलन में 102 नए सदस्यों ने ली सदस्यता



कार्यकारी अध्यक्ष संदेश जैन ने संगठन की कार्ययोजना, जबकि प्रदेश महामंत्री एवं संभागीय प्रभारी सुनील कोठारी ने स्वागत उद्बोधन दिया। संभागीय अध्यक्ष संजय साहू ने संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी। सम्मेलन में करीब 200 पदाधिकारी एवं समाजबंधु शामिल हुए तथा 102 नए सदस्यों ने सदस्यता ग्रहण की। दूसरे चरण में जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन एवं संभाग की नगर पालिकाओं व नगर परिषदों में मनोनीत 21 वैश्य पार्षदों का सम्मान किया गया। सम्मेलन में ज्योति जैन, आभा साहू, साधना बड़कुल, राजेश अग्रवाल, विमल जैन, अजय जैन, जिनेंद्र देव गुप्ता, अतुल चौरसिया सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। संचालन रामजी अग्रवाल एवं आभार जितेंद्र गुप्ता ने व्यक्त किया।

जबलपुर। वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के जबलपुर संभागीय पदाधिकारी सम्मेलन का आयोजन स्थानीय होटल में हुआ। मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने कहा कि समाज की गतिवियों को स्वीकार कर उनमें सुधार करना आने वाली पीढ़ियों के लिए सकारात्मक संदेश है। अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष भगवान दास अग्रवाल ने की। प्रदेश

युवती पर अश्लील कमेंट करने वाले को 2 साल की कैद

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश महिमा कछवाहा ने युवती पर अश्लील कमेंट करने वाले मादोताल निवासी छोट्टू उर्फ रवि यादव को 2 साल की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर 300 रुपए अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन के अनुसार 12 जुलाई 2025 को एक युवती के रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपनी बहन के साथ बाजार जा रही थी। तभी रास्ते में रोककर छोट्टू उर्फ रवि यादव ने उस पर अश्लील कमेंट किए। विरोध करने पर उसके साथ गाली-गलौज की। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया। अपर लोक अभियोजक संजय वर्मा के तर्क सुनने के बाद न्यायालय ने आरोपी को सजा सुनाई।

हत्यारे को उमकैद, 11 हजार रुपये का जुर्माना

जबलपुर। जिला अदालत ने हत्या के आरोपी मनीष उर्फ कारण उर्फ काला चौधरी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश अनिल चौहान की अदालत ने आरोपी पर 11 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक लहर दीक्षित ने पक्ष रखा। अभियोजन के अनुसार मादोताल थाना क्षेत्र के ग्राम रेगवा में पुरानी रंजिश के चलते 19 वर्षीय आरोपी मनीष उर्फ कारण उर्फ काला चौधरी ने एक बालक के साथ मिलकर 17 सितंबर 2024 की रात करीब 10 बजे विकास बंजारा की चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। मादोताल पुलिस ने हत्या सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर विवेचना के बाद न्यायालय में चालान पेश किया। विचारण के दौरान प्रस्तुत गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास और अर्थदंड से दंडित किया।

पालीवाल कॉलोनी में जलभराव से लोग परेशान, घरों में घुस रहा पानी

सिहोरा। नगर पालिका क्षेत्र की पालीवाल कॉलोनी में जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से रहवासी परेशान हैं। बारिश के दौरान सड़कों पर पानी भरने के साथ घरों में भी पानी घुस जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दो वर्ष पूर्व विधायक ने ट्रैक्टर पर बैठकर क्षेत्र का निरीक्षण कर समस्या के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्ययोजना नहीं बन सकी। रहवासियों ने आरोप लगाया कि बरसाती पानी की निकासी के पुराने नाले के बहाव क्षेत्र में प्लांटिंग और पक्के मकान बनने से पानी का रास्ता अवरुद्ध हो गया है। जलभराव के कारण जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा भी बना रहता है। सड़कें कीचड़युक्त होने से बच्चों का स्कूल जाना और मरीजों को अस्पताल पहुंचाना मुश्किल हो जाता है। खराब सड़क व जलभराव के कारण दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका एवं जनप्रतिनिधियों से सड़क निर्माण और स्थायी जल निकासी व्यवस्था कराने की मांग की है।

मिलावट की आशंका पर पैकड दूध का सैपल भोपाल भेजा

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मिल्क टैस्टरिंग किट के माध्यम से बाजार में बिक रहे खुले और पैकड दूध के नमूनों की जांच की। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता के अनुसार जांच के दौरान खुले दूध के किचड़ी भी नमूने में मिलावट नहीं मिली। वहीं पैकड मिल्क के एक नमूने में आंशिक मिलावट की आशंका पाए जाने पर करमेता स्थित जैव डेयरी से सैपल लिया गया है। नमूने को विस्तृत परीक्षण के लिए भोपाल भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मझौली-जबलपुर रोड पर सड़क के ऊपर बह रहा पानी, राहगीर परेशान

मझौली। नगर के मुख्य मार्ग मझौली-जबलपुर रोड पर जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से बारिश के दौरान सड़क पर पानी बहने और जलभराव की समस्या बनी हुई है। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पैदल चलने वालों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क किनारे पानी की निकासी के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने

19 किलो वजनी सिलेंडर के दाम में जनवरी से अब तक 1,056.50 रुपए की बढ़ोतरी जबलपुर। होटल, रेस्टोरेट, दाबे और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को अब 19 किलो वजन की शिंलेंडर अब 2757 रुपए में मिलेगा। क्योंकि तेल विपणन कंपनियों द्वारा इक्कीस कीमत में मूल्य वृद्धि कर दी है। अतः म्रप के उपभोक्ता शहरों में 9.50 रु की मूल्य वृद्धि के साथ में अब यह सिलेंडर 2,757 रुपए में मिलेगा, जो पहले यानी अगस्त में 2,747.50 रुपए थी। एलपीजी डिस्ट्रिब्यूटर्स आरके गुप्ता ने बताया कि जनवरी 2026 से अब तक भोपाल में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर करीब 1,056 रुपए महंगा हो चुका है। जनवरी में 19 किलो के सिलेंडर की करीब कीमत 1,696 रुपए थी, जो सितंबर में बढ़कर 2,757 रुपये हो गई है।

जन्माष्टमी पर यादव महासभा निकालेगी भव्य शोभायात्रा

जबलपुर। यादव महासभा जबलपुर के तत्वावधान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 2 सितंबर को युवा यादव महासभा एवं युवा यादव ब्रिगेड द्वारा एल्विन हॉस्पिटल में सुबह 10 बजे रक्तदान शिविर होगा। 3 सितंबर को मंगली में सुबह 11 बजे पूज्य दादा गुरु भैया जी सरकार के सानिध्य में वृक्षारोपण किया जाएगा। 4 सितंबर को श्री सनातन धर्म तिराहा (पुराना बस स्टैंड) से भव्य शोभायात्रा निकलेगी, जो नगर निगम चौक, मालवीय चौक, लॉर्डगंज, बड़ा फुहार, कमानिया गेट, कोतवाली, मिलोनीगंज होते हुए भान तलैया पहुंचेगी। शोभायात्रा में भगवान श्रीकृष्ण, लड्डू गोपाल, राधा-कृष्ण, खाटू श्याम, गिरिराज जी, बांके बिहारी, गौमाता राष्ट्रमाता सहित आकर्षक झांकियां, अहीर-आदिवासी नृत्य, अखाड़े,

अश्वरोही दल, बगियां व भजन मंडलियां शामिल होंगी। भरत सिंह यादव, सुभाष यादव, पूर्व विधायक संजय यादव, शिव यादव, राम कुमार यादव बड्डा, नरेश यादव, सुनील यादव, प्रदीप यादव सहित समाजजनों ने आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

हर जोन में बनेगा एक आदर्श वार्ड चाकचौबंद होगी शहर की स्वच्छता व्यवस्था

जबलपुर। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने नगर निगम ने नई पहल शुरू की है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिंरवार ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक एवं निरीक्षण के दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों और सफाई मित्रों को स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी मिलने पर जिम्मेदारों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। निगमायुक्त ने कर्मचारियों से भावुक अपील करते हुए कहा कि शहर को अपना घर समझकर कार्य करें। अपनेपन और जिम्मेदारी की भावना से काम करने पर स्वच्छता व्यवस्था स्वतः बेहतर होगी। शहर में स्वच्छता के नए मानक स्थापित करने के लिए प्रत्येक जोन में एक-एक वार्ड को ‘आदर्श वार्ड’ के रूप में विकसित किया जाएगा। इन वार्डों में बेहतर सफाई, कचरा प्रबंधन और सौंदर्यीकरण के मानक स्थापित किए जाएंगे, ताकि अन्य वार्ड भी उनसे प्रेरणा लेकर अपनी व्यवस्था में सुधार कर सकें।

शहपुरा टोल पर अस्थायी रूप से टोल वसूली बंद होगी: मंत्री राकेश सिंह

के निर्देश दिए। उज्जैन-गरोठ मार्ग की निर्माण गुणवत्ता पर भी मंत्री ने गंभीरता जताते हुए जांच एवं नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता, रखरखाव, सड़क सुरक्षा और समयबद्ध निर्माण पर विशेष जोर दिया।

पुणे-हड़पसर थर्ड लाइन कार्य से पश्चिम मध्य रेल की 6 ट्रेनें प्रभावित

जबलपुर। मध्य रेल के पुणे मंडल में हड़पसर-पुणे रेलखंड की थर्ड लाइन कमीशनिंग के लिए पुणे एवं हड़पसर यार्ड में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा। इसके चलते पश्चिम मध्य रेल से संबंधित छह ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। गाड़ी संख्या 20162 जबलपुर-पुणे एक्सप्रेस 20 सितंबर तथा 22172 रानी कमलापति-पुणे एक्सप्रेस 3 अक्टूबर को पुणे के बजाय दौंड जंक्शन तक संचालित होगी। वहीं 20161 पुणे-सितंबर को 45 मिनट तथा 1 अक्टूबर को 1 घंटे 45 मिनट री-शिड्यूल रहेगी। यात्रियों से यात्रा से पूर्व N'TES, रेल मदद 139 या रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट से ट्रेन की स्थिति की जानकारी लेने की अपील की गई है।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे एकादश भ्राता श्री शिव कुमार सोनी पिता श्री बी. एन. सोनी द्वारा मोबा. नं. 9828/46 पदवीय हस्ता. नं. 27/34/16 तथा 20 रा. नि. नं. जबलपुर तह. गोरखपुर व जिला जबलपुर में स्थित भूमि खसरा नं. 11/8 का कुल कर्वात रकबा 47.5 फुट बाई 125 फुट ऐरिया 5937.5 वर्गफुट खाली भूमि के भूस्वामी श्री विनय कुमार साहू, पिता श्री रामकुमार साहू निवासी - ओ.आर. 425, इंडस स्टेटलाईन्ड ग्रीन कलोन हल मंगलिया विजय नगर इंदौर हात्सुकाम नं. 497 बह -1, किण्व कुज न्यू राम नगर रामपुर तह. व जिला जबलपुर के बीच अनुबंध निष्पादित कराया गया है। निम्नलिखित में विनय कुमार साहू का निष्पादन कराया जाना है। अतः उक्त वगति के संबंध में किसी भी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था, शासकीय विभाग आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो या कोई भी उक्त संपत्ति पर अपना हित या दावा रखता हो तो वह दैनिक समाचार प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस के अंदर अपनी आपत्ति नीचे लिखे पते पर दर्तावेज के साथ प्रस्तुत करें, उक्त समयवाधि तक किसी भी प्रकार की आपत्ति प्रस्तुत न होने की दशा में मेरे एकादश ऊक्त संपत्ति के विक्रय पर का निष्पादित कराने हेतु स्वतंत्र होंगी, तत्पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति या दावा माफ नहीं होगा और न ही मेरे एकादश पर बंधनकारी रहेगा।

जबलपुर दिनांक - 31/08/2026

सार्क सूचू मो. नं. - 9229262599

देवेन्द्र खरे (अधिकृत)

म. प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर।

निवास : सरस्वती कॉलोनी चैरीलव वाई जबलपुर

ऑफिस : दुर्गावन नं.3 हॉट बाजार विजय नगर जबलपुर

मो.नं. : 9098038981, 9425863676



हैवान का दूसरा गाना रंगियारा रिलीज, सैफ की मिली झलक

नई दिल्ली। ट्रेलर से बनी एक्साइटमेंट और फिल्म के पहले गाने ‘मेरे हीरो हैं वो’ से बने इमोशनल कनेक्शन के बाद, जी म्यूजिक कंपनी और ‘हैवान’ के मेकर्स ने ‘रंगियारा’ गाना रिलीज किया है। यह सैफ अली खान के किरदार का लंबे समय से इंतजार किया जा रहा इंट्रोक्शन सॉन्ग है।

प्रीतम के म्यूजिक, यतींद्र मिश्रा और थॉमसन एंड्यूज के लिрикस और शान, सुखविंदर सिंह व रोमी की आवाज वाला यह गाना ‘हैवान’ की दुनिया में एक अलग तरह की म्यूजिकल एनर्जी लाता है। इसमें दर्शकों को फिल्म में सैफ अली खान की पहली लंबी झलक देखने को मिलती है।

लाइफ Style

जानी-मानी अभिनेत्री श्रुति हासन ने साउथ हो या बॉलिवुड दोनों इंडस्ट्री में संतुलन साधना सीखा है। आठ साल की उम्र से बाल कलाकार के रूप में अपने कैरियर की शुरुआत करने वाली श्रुति का मानना है कि बीते सालों में सिनेमा ने उन्हें काफी मजबूत बनाया है।

श्रुति

जो मेरे हित में न था, उसे बहा दिया

एजेसी ► नई दिल्ली

श्रुति उन अभिनेत्रियों में से हैं जो मुद्दों पर बात करने में पीछे नहीं रहतीं। वे कहती हैं, ‘मैं हमेशा से उन बातों पर अपना टेक या विचार रखना पसंद करती हूं, जो मेरा अपना अनुभव हो या जिसे मैंने करीब से देखा हो। मैंने आज तक उन रैंडम टॉपिक, पॉलिटिकल या सोशल विषयों पर बात नहीं की, जिसकी मुझे जानकारी न हो। मैं अपने अनुभवों के आधार पर बात करना पसंद करती हूं।’ वे कहती हैं, ‘मैंने जब लक से अपने कैरियर की शुरुआत की, तब मेरे काम को दर्शकों ने नकार दिया था। लोगों ने मेरी काफी आलोचनाएं कीं। वह मेरे लिए सबसे बड़ा रिजेक्शन था, मगर मैंने उस आलोचना को कंस्ट्रक्टिवली लिया। मैंने आलोचनाओं को छननी की तरह लिया, जो मेरे हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया। मैंने लगातार अपनी गलतियों और कमियों से सीखा। मैंने कोशिश की कि किसी खांचे या फॉर्मूला में न अटकूं।’ उनका कहना है कि ‘हमारे देश के बारे में कहा जाता है कि विविधता में एकता है, मगर वो विविधता कभी घटती नहीं। आप अगर विकास में यकीन करेंगे, तो चाहे आप सिनेमा हों या मेडिसिन अथवा शिक्षा, विविधता को सकारात्मक रूप में लेंगे, मगर यदि आप संकीर्ण विचारधारा रखेंगे, तो यही डायवर्सिटी आपको नकारात्मक लगेगी।



हॉलीवुड मसाला

अब ऑफर भी करेंगे तो नहीं करूंगी काम

लॉस एंजिल्स। गैल गडोट ने डीसीयू के साथ रिश्ते खत्म करने पर सीधे तौर पर जमकर नाराजगी जताई, साथ ही ‘सुपर मैन’ हैनरी कैविल और डायरेक्टर पीटी जेनकिंस के साथ स्टूडियोज के खराब व्यवहार पर सवाल उठाए। एक इंटरव्यू में गैल गडोट ने बताया अब वो वंडर वुमन के किरदार में वापसी नहीं करेंगी और अगर उन्हें वंडर वुमन का रोल ऑफर किया भी जाए तो भी वो वापस नहीं आएंगी। एक्ट्रेस ने कहा, ‘मेरे लिए एक और वंडर वुमन फिल्म करना मुश्किल है। मुझे पक्का नहीं पता कि जिंदगी के इस पड़ाव पर, जब मेरे चार बच्चे हैं।



स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे का बॉक्स ऑफिस पर भूचाल

लॉस एंजिल्स। टॉम हॉलैंड की स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे ने बॉक्स ऑफिस पर तबाही मचा दी है। दुनियाभर में फिल्म की कमाई का तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा और हर दिन फिल्म नए रिकॉर्ड बना रही है। अब फिल्म ने वर्ल्डवाइड कलेक्शन में एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है। ‘स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे’ ने इससे पहले एक और रिकॉर्ड तोड़ा था। इस फिल्म ने ‘टाइटैनिक’ और ‘एवेंजर्स: एंडगेम’ के बाद सबसे ज्यादा फुटफॉल हासिल कर दुनिया भर में हाईएस्ट फुटफॉल लिस्ट में तीसरे नंबर पर जगह बनाई। इस फिल्म ने अब बॉक्स ऑफिस पर भी रिकॉर्ड तोड़ तबाही मचा दी है। जेम्स कैमरून की ‘अवतार- द वे ऑफ वॉटर’ को पीछे छोड़ते हुए ‘स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे’ अब तक की तीसरी सबसे ज्यादा बॉक्स कलेक्शन करने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म की धुआधार कमाई ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है।

टीवी मसाला



बिग बॉस 20 में नजर आ सकते हैं ये पांच सेलेब्स

नई दिल्ली। सलमान खान के मोस्ट एवेटेड रिप्लेटी शो ‘बिग बॉस 20’ का आगोज होने में अब कुछ ही दिन बाकी हैं। शो को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट है और हर दिन नए कंटेस्टेंट्स के नाम सामने आ रहे हैं। इस बार शो में करीब 17 सदस्यों के शामिल होने की खबर है। हालांकि, मेकर्स की ओर से अभी तक कंटेस्टेंट्स की लिस्ट जारी नहीं की गई है, हालांकि टैटेंटिव लिस्ट सामने आ गई है। रिया अहीर और लव गिल में से कोई एक इस शो का हिस्सा बनेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, भोजपुरी अभिनेत्री आसपाली दुबे का नाम ‘बिग बॉस 20’ के लिए लगभग तय माना जा रहा है। ‘भोजपुरी खाला’ जैसे शोज से पूरे भारत में चर्चा का विषय बनने वाली आसपाली के शो में आने की खबर भी भोजपुरी दर्शकों की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। इसके अलावा अभिनेत्री गीता बसरा, कॉमेडियन सुनील पाल और शौचिक चक्रवर्ती के नाम भी कंटेस्टेंट्स की संभावित लिस्ट में शामिल बताए जा रहे हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इन तीनों की शो में एंट्री लगभग पक्की है। ‘बिग बॉस 20’ के लिए टीवी और डिजिटल दुनिया से जुड़े कई नामों की चर्चा हो रही है। इनमें ‘क्योंकि सास भी कभी बड़ थी’ में नैतिक विरानी का किरदार निभाने वाले अभिनेता अमन गांधी का नाम भी शामिल है। वही, रेपर बादशाह की पत्नी इशा रिखी को लेकर भी शो में शामिल होने की अटकलें हैं। हाल ही में वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में थीं।

राइज एंड फॉल 2 में शिरकत करने की तैयारी

नई दिल्ली। अभिनेता गोविंद ने बीते दिनों ऐलान किया था कि फिल्म ‘रूपा’ से वे बड़े पद पर कम्बैक करने को तैयार हैं। इस बीच ऐसी चर्चा है कि वे रियलिटी शो ‘राइज एंड फॉल 2’ में हिस्सा ले सकते हैं। गोविंद की पत्नी सुनीता आहुजा ने नेटवर्क के रियलिटी शो ‘लौक अप- सच या सजा’ के जरिए अपना रियलिटी शो डेब्यू किया। बीते दिनों इस शो से उन्होंने खूब लोकप्रियता बटोरी। अब उनके बाद ‘गीता मेरा यार’ में काम कर चुके थे। हालांकि, यह फिल्म कभी रिलीज नहीं हुई। सिनेमा में उनका सफर ‘फकीरा’ फिल्म के सेट पर अभिनेता शशि कपूर के साथ हुई एक मुलाकात से शुरू हुआ था। फिल्म में उन्होंने शबाना आज़मी के चार साल के बेटे का किरदार निभाया। छह साल की उम्र तक, रवि ‘गीता मेरा यार’ में काम कर चुके थे। हालांकि, यह फिल्म कभी रिलीज नहीं हुई।

कैसे मिला जूनियर अमिताभ का खिताब?

जैसे-जैसे उनका कैरियर आगे बढ़ा, वे कई फिल्मों में अमिताभ बच्चन के बचपन का किरदार निभाने के लिए खास तौर पर पहचाने जाने लगे। उनकी शक्ल-सूरत और सुपरस्टार के साथ लश्क़ार काम करने की वजह से उन्हें ‘जूनियर अमिताभ बच्चन’ का निकनम मिला।

33 साल पहले दूरदर्शन पर आया था सबसे यादगार कृष्ण भजन, हर जन्माष्टमी पर सुनाई देती है गूंज

नई दिल्ली। रक्षा बंधन के बाद अब देशभर में कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर तैयारियां चल रही हैं। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में हर साल कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। लेकिन धार्मिक संगीत और भजन के बिना जन्माष्टमी का ये जश्न अधूरा रहता है। इस आधार पर 33 साल पहले भगवान श्रीकृष्ण को लेकर दूरदर्शन के एक कल्ट माथ्रोलॉजिकल शो के लिए यादगार भजन बनाया गया था, जिसे पद्मश्री विजेटा रहे एक दिग्गज गायक ने अपनी मधुर आवाज में गाया था। आइए जानते हैं कि वह कौन सा सॉन्ग है।



रवींद्र ने अपनी मधुर आवाज में गाया था

इस कृष्ण भजन को दिग्गज गायक और संगीतकार रहे रवींद्र जैन ने अपनी मधुर आवाज में गाया था। भवित गीतों के मामले में पद्मश्री विजेटा रवींद्र साहब का कोई मुकाबला नहीं था। रामायण से लेकर महाभारत तक दूरदर्शन के कई कल्ट धारावाहिकों के संगीत और गीतों को रवींद्र जैन द्वारा ही तैयार किया गया था। श्री कृष्ण शो में भी उन्होंने अपने हुनर की छाप छोड़ी थी। जिसके चलते 33 साल बाद अगर बात भगवान कृष्ण को समर्पित सबसे सर्वश्रेष्ठ भजन की जाए तो उसमें रवींद्र जैन के श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी... गाने का नाम जरूर शामिल होता है। इसी वजह से इसे कल्ट क्लासिक भजन माना जाता है।

कृष्ण जन्माष्टमी स्पेशल गीत

यूं तो भगवान श्रीकृष्ण को लेकर कई सारे भजन और गीत को निर्माण सिनेमा जगत की तरफ से किया गया है। लेकिन कुछ भजन ऐसे हैं, जिनकी रिलीज को दशकों का समय बीत गया है, लेकिन फिर भी ये सुनने में नए लगते हैं। ऐसा ही एक गीत निदेशक रामानंद सागर के दूरदर्शन पर साल 1993 में प्रसारित होने वाले धारावाहिक श्री कृष्ण में सुनने को मिला था, जिसका टाइटल था- श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी...

उभरते कलाकारों के लिए खोलेंगे सस्ती एक्टिंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट

कभी अमिताभ के बचपन का करते थे रोल, अब बिजनेस सेक्टर में बनाई पहचान

नई दिल्ली। अभिनेता रवि वलेचा 80 के दशक की कई फिल्मों में जूनियर अमिताभ बच्चन का रोल करने के लिए मशहूर थे। उन्होंने फिल्मों से शुरुआत तो की, मगर बड़े होने पर उन्होंने एक अलग रास्ता चुना। उनकी जिंदगी कई मोड़ से गुजरी है। हर मोड़ पर उन्होंने कामयाबी हासिल की।

नई दिल्ली। कितनी होती थी कमाई? एक चाइल्ड एक्टर के तौर पर उनकी लोकप्रियता के साथ-साथ उन्हें काफी अच्छी कमाई भी हुई। 1980 के दशक में अपने कैरियर के पीक पर रवि को कथित तौर पर हर दिन 3000 से 3500 रुपये मिलते थे। यह रकम आज के हिसाब से महंगाई को देखते हुए लगभग 75,000 से 90,000 रुपये के बराबर होती। रवि के मुताबिक बिना बार-बार टेक लिए सीन करने की उनकी काबिलियत एक और बड़ी वजह थी, जिसकी वजह से डायरेक्टर उनके साथ काम करना पसंद करते थे।



कितनी होती थी कमाई?

एक चाइल्ड एक्टर के तौर पर उनकी लोकप्रियता के साथ-साथ उन्हें काफी अच्छी कमाई भी हुई। 1980 के दशक में अपने कैरियर के पीक पर रवि को कथित तौर पर हर दिन 3000 से 3500 रुपये मिलते थे। यह रकम आज के हिसाब से महंगाई को देखते हुए लगभग 75,000 से 90,000 रुपये के बराबर होती। रवि के मुताबिक बिना बार-बार टेक लिए सीन करने की उनकी काबिलियत एक और बड़ी वजह थी, जिसकी वजह से डायरेक्टर उनके साथ काम करना पसंद करते थे।

क्यों खोया बचपन?

रवि ने एक बातचीत में बताया मैंने बहुत कुछ खो दिया। जिंदगी में कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है। मैंने नाम, शोहरत और पैसा कमाया। मगर मैंने अपना बचपन खो दिया, क्योंकि मैं 4 साल की उम्र से 18 साल की उम्र तक काम कर रहा था।

अलग चुना कैरियर

लीड रोल में आने की संभावना खत्म होने के बाद, रवि ने एक बिल्कुल अलग कैरियर बनाने का फैसला किया। बचपन में एक्टिंग की वजह से शिक्षा न मिल पाने के कारण, उन्होंने आखिरकार कुलीनरी आर्ट्स (खान पकाने की कला) में अपनी दिलचस्पी के चलते मुंबई में पढ़ाई की।

बनाई पहचान

उन्होंने एक प्रोफेशनल शेफ के तौर पर ग्रेजुएशन किया और कुछ साल तक एक मशहूर होटल में काम किया। इसके बाद उनका कैरियर किचन से आगे बढ़कर हॉस्पिटैलिटी के कई क्षेत्रों में फैला, जिसमें रूम सर्विस भी शामिल थी और आखिरकार उन्होंने इस बड़े बिजनेस में अपनी पहचान बनाई।

फिल्म इंस्टीट्यूट खोलने पर कर रहे काम

आज, रवि एक जानी-मानी कंपनी के एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट को संभालते हैं। साथ ही वह एक और लंबे समय से देखे जा रहे सपने पर काम कर रहे हैं। एक ऐसा फिल्म इंस्टीट्यूट बनाना जहां उमरते हुए कलाकारों की सस्ती एक्टिंग ट्रेनिंग मिल सके।

आशा फॉरएवर के लिए साथ आएंगे बॉलीवुड के ये बड़े सितारे

नई दिल्ली। ‘आशा फॉरएवर’ प्रोजेक्ट आशा भोसले के निधन से पहले ही तैयार किया जा रहा था। 12 अप्रैल 2026 को 92 साल की उम्र में आशा भोसले के निधन के बाद अब ‘आशा फॉरएवर’ को उनकी शानदार संगीत विरासत को सेलिब्रेट करने के लिए पूरा किया जा रहा है। इस साल की शुरुआत में इसका एक टीजर भी सामने आया था। इसमें आशा भोसले की कुछ झलकियां और रिकॉर्डिंग से जुड़े म्यूजिशियन्स नजर आए थे। ट्रिनिटी लैब्स से जुड़े म्यूजिशियन्स भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं।

आशा भोसले और एआर रहमान का म्यूजिकल कनेक्शन भी इस प्रोजेक्ट को खास बनाता है। यह सिर्फ आशा भोसले के निधन के बाद बनाई गई श्रद्धांजलि नहीं है, बल्कि इसकी शुरुआत खुद आशा भोसले के साथ उनके रहते हुई थी। एआर रहमान ने धीरे-धीरे इस प्रोजेक्ट से जुड़ने वाले कलाकारों के नाम सामने लाए। सबसे पहले शाहरुख खान के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने की खबर सामने आई। इसके बाद सलमान खान भी इसका हिस्सा बने। फिर आमिर खान के



जुड़ने के साथ ही तीनों खान एक ही प्रोजेक्ट में साथ आ गए। ‘आशा फॉरएवर सिर्फ तीनों खान तक सीमित नहीं है। दिग्गज अभिनेता कमल हासन भी इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। इसके अलावा फ़िल्ममेकर करण जोहर भी इसका हिस्सा हैं। एआर रहमान ने पहले बताया था कि उन्होंने करण जोहर के साथ वीडियो कॉल पर म्यूजिक, सिनेमा और अलग-अलग पीढ़ियों के कलाकारों को लेकर बातचीत की थी।



पारले बिस्कुट ने कोवूर को नियुक्त किया सीईओ

मुंबई। पारले-जी, मोनाको, हाइड एंड सीक और मेलोडी जैसे उत्पाद बनाने वाली पारले बिस्कुट ने जॉर्ज कोवूर को मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की मंगलवार को घोषणा की। उनकी नियुक्ति एक सितंबर, 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। पारले ने बयान में कहा कि कोवूर को पेप्सिको के साथ काम करने का तीन दशक से अधिक का अनुभव है। साथ ही उन्होंने उपभोक्ता कारोबार तथा विभिन्न बाजारों में काम किया है।

वीगालैंड के आईपीओ का मूल्य दायरा तय

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी वीगालैंड डेवलपर्स लिमिटेड ने अपने 210 करोड़ रुपये के आर्थिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मूल्य दायरा 130 - 140 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसका आईपीओ बोली के लिए 10 सितंबर को खुलेगा और 15 सितंबर को बंद होगा। एंकर निवेशक नौ सितंबर को बोली लगा पाएंगे। वीगालैंड डेवलपर्स लिमिटेड ने बयान में कहा कि आईपीओ में 1.50 करोड़ तक नए शेयर जारी किए जाएंगे, जिनसे कुल 210 करोड़ रुपये जुटाए जाने की योजना है।

हाई-टेक इंजीनियर्स 41 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। हाइड्रोलिक फिटिंग बनाने वाली कंपनी हाई-टेक इंजीनियर्स लिमिटेड का शेयर मंगलवार को 53 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 41.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 72 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य से 35.84 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर शेयर ने 41.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75 रुपये पर कारोबार की शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 716.99 करोड़ रुपये रहा।

एचएफसीएल को मिला केबल निर्यात का ठेका

नई दिल्ली। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी एचएफसीएल को एक वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनी से ऑप्टिकल फाइबर केबल आपूर्ति का 24.4 करोड़ डॉलर (करीब 2,329 करोड़ रुपये) का निर्यात ठेका मिला है। एचएफसीएल ने हालांकि इस कंपनी का नाम साझा नहीं किया। यह समझौता दिसंबर 2029 तक तीन साल के लिए मिला है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसकी विदेशी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के जरिये उच्च गुणवत्ता वाले, अधिक फाइबर क्षमता वाले ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) की आपूर्ति की जाएगी।

आईटीसी इंफोटेक, हैपिएस्ट में हिस्सेदारी बढ़ाएगी

नई दिल्ली। विविध कारोबारी क्षेत्रों में कार्यरत समूह आईटीसी लिमिटेड ने कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी आईटीसी इन्फोटेक लगभग 1,330 करोड़ रुपये में हैपिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज में 22.1 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। यह घोषणा ऐसे स्रोदे का हिस्सा है, जिसके तहत दोनों कंपनियों के मिलने से एक अरब अमेरिकी डॉलर की दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी बनेगी।

यात्री वाहनों की बिक्री ने अगस्त में पकड़ी रफ्तार, 35 प्रतिशत बढ़ी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारत में यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री अगस्त में करीब 35 प्रतिशत बढ़कर लगभग 4.5 लाख इकाई रहने का अनुमान है। मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियों की मजबूत बिक्री से वाहन उद्योग को गति मिली है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा कि पिछले साल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती, आयकर में छूट और रेपो दर में कटौती से पैदा हुई मांग की गति का वाहन उद्योग को लगातार लाभ मिल रहा है तथा वह त्योहारों के दौरान अच्छे कारोबार की उम्मीद कर रहे हैं।

घरेलू बिक्री अगस्त में 4.5 लाख इकाई रहने का अनुमान

जीएसटी, ईएमआई और आयकर छूट से आई बिक्री में तेजी

बनर्जी ने कहा, “अनुमान है कि इस साल अगस्त में उद्योग का आंकड़ा करीब 4.5 लाख इकाई से अधिक रहा होगा, जिसमें 2,000 से 3,000 इकाई कम या ज्यादा हो सकती है। पिछले साल अगस्त में यह आंकड़ा करीब 3.3 लाख इकाई रहा था।” बनर्जी के अनुसार, उद्योग की वृद्धि के तीन प्रमुख कारण हैं। इसमें जीएसटी 2.0, रेपो दर में कटौती से ईएमआई यानी मासिक किस्त में कमी और 12 लाख रुपये तक की आय पर आयकर छूट शामिल हैं।



मारुति की सेल में आया 34.8 फीसदी का उछाल

बाजार की अग्रणी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया की घरेलू बिक्री अगस्त में 34.8 प्रतिशत बढ़कर 1,76,971 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1,31,278 इकाई थी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवीएल) की घरेलू यात्री वाहन बिक्री अगस्त में 59 प्रतिशत बढ़कर 65,253 इकाई रही, जबकि अगस्त, 2025 में यह 41,001 इकाई थी।

सरकार का उद्देश्य जमाखोरी और सट्टेबाजी पर रोक लगाना

केंद्र सरकार ने चीनी कारोबारियों के लिए मंडारण सीमा घटाकर 2,000 कि्वंटल की

एजेंसी ►► नई दिल्ली

केंद्र ने चीनी कारोबारियों के लिए भंडारण सीमा को मंगलवार को और कड़ा करते हुए इसे 4,000 कि्वंटल से घटाकर 2,000 कि्वंटल कर दिया। यह सीमा 15 सितंबर से 30 नवंबर तक प्रभावी रहेगी। सरकार ने यह कदम चीनी की ऊंची खुदरा कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए उठाया है। खाद्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि एक अगस्त से लागू 4,000 कि्वंटल की भंडारण सीमा कोलकाता और उसके आसपास शहरी व उपनगरीय इलाकों की ‘‘ क्षेत्र विशिष्ट बाजार ज़रूरतों को देखते हुए’’ अपरिवर्तित रहेगी। मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य घरेलू बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा जमाखोरी एवं सट्टेबाजी पर रोक लगाना है।

खास बातें

- पहले कारोबारियों के लिए भंडारण सीमा 4,000 कि्वंटल तय थी
- कारोबारी 30 दिन से अधिक समय तक भंडार नहीं रख सकता



2,000 कि्वंटल से अधिक चीनी का भंडारण नहीं रखा जा सकेगा

संशोधित नियमों के तहत कोई कारोबारी चीनी प्राप्त होने की तारीख से 30 दिन से अधिक समय तक उसका भंडार नहीं रख सकता। साथ ही देश में किसी भी स्थान पर किसी भी समय 2,000 कि्वंटल से अधिक चीनी का भंडार नहीं रखा जा सकता।

खुदरा चीनी की कीमतें अभी भी ऊंची बनी हुईं

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब खुदरा चीनी की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 31 अगस्त को चीनी का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 63.28 रुपये प्रति किलोग्राम था जो एक साल पहले के 46.02 रुपये प्रति किलोग्राम से 37 प्रतिशत अधिक है। थोक कीमतों भी सालाना आधार पर 36.28 प्रतिशत बढ़कर 58.40 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं।

एनसीएलटी ने चंद्रा की संपत्ति बेचने पर तत्काल लगाई रोक

एजेंसी ►► नई दिल्ली

दिवाला न्यायाधिकरण एनसीएलटी ने एस्सेल समूह के चेयरमैन सुभाष चंद्रा को अपनी संपत्तियां बेचने या हस्तांतरित करने से मंगलवार को रोक दिया। साथ ही उन्हें समूह की कंपनियों के कर्ज के लिए दी गई व्यक्तिगत गारंटी से जुड़े करीब 22,006 करोड़ रुपये के दावों का लगभग 6.5 करोड़ रुपये में निपटान करने की अनुमति देने वाले आदेश पर भी रोक लगा दी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अनूपिंद सिंह ग्रेवाल की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय विशेष पीठ ने कहा कि पुनर्भुगतान योजना पर स्पष्ट बहुमत नहीं बना और इसलिए आदेश को प्रभावी नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा, “यह स्पष्ट है कि



अगली सुनवाई 23 सितंबर को होगी

मेहता ने आगाह किया कि ऐसा नहीं होने पर मामले का ‘मूल आश्चर्य’ खत्म हो सकता है। न्यायमूर्ति ग्रेवाल ने कहा कि न्यायाधिकरण चंद्रा और पुनर्भुगतान योजना का विरोध करने वाले कर्जदाताओं समेत सभी पक्षों की विस्तार से सुनवाई करेगा। चंद्रा के वकील द्वारा संक्षिप्त दलील रखने का अनुरोध किए जाने पर पीठ ने उनसे कहा, “हम विस्तार से सुनवाई करेंगे।” पांच सदस्यीय पीठ ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई 23 सितंबर को होगी।

कंपनी अधिनियम की धारा 419(5) के तहत बहुमत का कोई स्पष्ट मत नहीं है, जिसे प्रभावी किया जा सके। इसलिए तीसरे सदस्य निलेश शर्मा, सदस्य मेहता ने संपत्तियों के हस्तांतरण पर रोक आदेश स्थगित किया जाता है।”

न्यायाधिकरण ने चंद्रा को व्यक्तिगत गारंटर बताते हुए यह भी निर्देश दिया कि वह “प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी

भी संपत्ति को हस्तांतरित नहीं करेंगे” और मामले में सभी पक्षों को नोटिस जारी किए। असहमत कर्जदाताओं की ओर से पेश सॉलिडिटर जनरल तुषार मेहता ने संपत्तियों के हस्तांतरण पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। असहमत कर्जदाताओं में एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, केनरा बैंक और यूनियन बैंक शामिल हैं।

बढ़ती तेल कीमतों के दबाव से बाजार में मामूली गिरावट

एजेंसी ►► मुंबई

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बढ़ने से मंगलवार को निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई और घरेलू शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। विश्लेषकों के मुताबिक, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक नीति को लंबे समय तक सख्त ब ना ए रखने की आशंका



76,656.12 अंक तक आ गया था। लेकिन समापन नीलामी सत्र (सीएसएस) के दौरान इसने अधिकांश नुकसान की भरपाई कर ली। इसी तरह निफ्टी 24.60 अंक गिरकर 24,055.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से मारुति, भारतीय स्टेट बैंक, इंटरनेट एंजिनीयर्स (इंडिगो), बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एक्सिस बैंक में प्रमुख रूप से गिरावट दर्ज की गई। दूसरी तरफ, आईटीसी, एचसीएल टेक, इन्फोसिस और भारतीय एयरटेल बढ़त वाले प्रमुख शेयरों में शामिल रहे।

अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बढ़ने से निवेशक धारणा प्रभावित हुई

बढ़ने से भी दुनिया के उभरते बाजारों में जोखिम लेने की धारणा प्रभावित हो रही है। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 12.99 अंक गिरकर 76,944.28 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 301.15 अंक गिरकर

ब्रेट कूड 92.33 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

इस बीच, पश्चिम एशिया में नए सिरे से तनाव बढ़ने के चलते वैश्विक तेल मानक ब्रेट कूड 2.03 प्रतिशत बढ़कर 92.33 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। जियोजैट इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, “बाजार भारत की मजबूत वृद्धि की रफ्तार और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच संतुलन बना रहा है।

एशिया के बाजार में मिलाजुला रुख

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉर्पोरेट बढ़त में रहा, जबकि जापान का निकोी, चीन का शेंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार दोपहर के समय गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार सोमवार को नुकसान में बंद हुए थे।

एलआईसी के 70वें स्थापना दिवस पर दुर्इस्वामी ने कहा

एलआईसी के उत्पादों की मांग बढ़ने की उम्मीद : सीईओ

एजेंसी ►► नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक आर. दुर्इस्वामी ने मंगलवार को कहा कि कम बीमा पहुंच, आर्थिक वृद्धि, बढ़ती घरेलू आय, वित्तीय जागरूकता और लंबी जीवन प्रत्याशा से आने वाले वर्षों में बीमा सुरक्षा, बचत और पेंशन उत्पादों की मांग बढ़ने की उम्मीद है।

लिमिटेड (एलआईसी) के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर दुर्इस्वामी ने कहा कि आने वाले समय में बीमा उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के साथ वितरण व्यवस्था और उत्पाद पोर्टफोलियो को अधिक प्रतिस्पर्धी एवं डिजिटल बाजार के अनुरूप ढालना ही कंपनी के अगले चरण को तय करेगा।



ग्राहकों के पास पहले की तुलना में आज अधिक विकल्प

सीईओ ने कहा कि ग्राहकों के पास आज पहले की तुलना में अधिक विकल्प हैं और प्रौद्योगिकी ने उनकी अपेक्षाओं को बदल दिया है। साक्षर युवा ग्राहक बीमा के सरल, व्यक्तिगत और तत्काल उपलब्ध होने की उम्मीद करते हैं।

कंपनी अपना उत्पाद पोर्टफोलियो बढ़ाएगी

दुर्इस्वामी ने कहा कि एलआईसी अपना उत्पाद पोर्टफोलियो बढ़ाने, प्रौद्योगिकी में सुधार, पॉलिसी नवीनीकरण दर तथा वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रही है। साथ ही, आर्थिक अस्थिरता बढ़ने के बीच पॉलिसीधारकों को प्रतिस्पर्धी प्रतिफल देने के लिए कंपनी अपनी परिसंपत्ति प्रबंधन क्षमता को मजबूत कर बेहतर रिटर्न हासिल करने पर भी काम करेगी।

एजेंसी ►► नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर बिकवाली के बीच सोने की कीमतों में मंगलवार को लगातार पांचवें दिन गिरावट आई। राष्ट्रीय राजधानी में सोना 2,700 रुपये टूटकर 1.58 लाख रुपये प्रति



10 ग्राम पर आ गया। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,700 रुपये घटकर लगभग दो सप्ताह के निचले स्तर 1,58,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) रह गई, जबकि सोमवार को यह 1,60,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत में भी 5,000 रुपये की गिरावट आई और यह 2,40,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। सोमवार को यह 2,45,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही थी। सर्राफा पर दबाव इसलिए बना क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच नए तनाव से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गईं, जिससे महंगाई की चिंताएं बढ़ गईं और ब्याज दरों के परिदृश्य पर ध्यान केंद्रित हो गया।

सीएसटी का 15 फीसदी बढ़ा कलेक्शन खजाने में आए 2 लाख करोड़ रुपए

घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 9.3 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का कुल संग्रह अगस्त में सालाना आधार पर 14.8 प्रतिशत बढ़कर करीब दो लाख करोड़ रुपये हो गया।

आयात से जीएसटी आय 29 प्रतिशत बढ़तकर 62,604 करोड़ रुपए हुई

आर्थिक गतिविधियों तथा खपत के दम पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि के आधिकारिक आंकड़े जारी होने के एक दिन बाद आए अगस्त के जीएसटी संग्रह के आंकड़े साझा किए गए हैं। घरेलू लेनदेन से



जीएसटी राजस्व 9.3 प्रतिशत बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। वहीं आयात से राजस्व 29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 62,604 करोड़ रुपये हो गया। अगस्त में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व 1,99,853 करोड़ रुपये रहा। कुल केंद्रीय जीएसटी संग्रह अगस्त में 38,413 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी संग्रह 46,316 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी संग्रह 1.15 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

छत्तीसगढ़ से संग्रह में वृद्धि उत्साहजनक

अगवाल ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम, असम, छत्तीसगढ़, लद्दाख और अंडमान एवं निकोबार से संग्रह में वृद्धि भी उत्साहजनक है। यह पारंपरिक औद्योगिक केंद्रों से आगे आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और अधिक समावेशी तथा भौगोलिक रूप से संतुलित वृद्धि का संकेत है।

आयात से अधिक संग्रह और रिफंड बढ़ा

रामजी ने कहा, “हालांकि, जिस तरह आयात से अधिक संग्रह और रिफंड में तेज वृद्धि से वृद्धि को समर्थन मिल रहा है, उसे देखते हुए यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि दरों का युक्तिकरण घरेलू खपत और कारोबार की मात्रा में मजबूती ला रहा है या नहीं और इसके परिणामस्वरूप राजस्व में व्यापक वृद्धि हो रही है या नहीं।”

एलआईसी की कुल प्रीमियम आय बढ़ी

सीईओ ने कहा कि सूचीबद्ध कंपनी के रूप में एलआईसी को देश के वित्त और वित्तिय क्षेत्रों तक पहुंच बनाने के अपने सामाजिक दायित्व तथा सार्वजनिक श्रेयधारकों की रिटर्न संबंधी अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाना होगा। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में एलआईसी की कुल प्रीमियम आय बढ़कर 5,35,984 करोड़ रुपये और लाभ रिकॉर्ड 57,419 करोड़ रुपये रहा।

2.50 करोड़ व्यक्तिगत दावों का निपटान

पिछले वित्त वर्ष में एलआईसी ने 2.50 करोड़ व्यक्तिगत दावों का निपटान किया, जिनमें 2.41 करोड़ परिपक्वता और ‘संवर्द्धित बेनिफिट’ दावे शामिल हैं। इस दौरान 2.80 लाख करोड़ रुपये के परिपक्वता दावों और 24,885 करोड़ रुपये के मृत्यु दावों का भुगतान किया गया।

मृत्यु दावों का निपटान 99.44 फीसदी रहा

व्यक्तिगत मृत्यु दावों के निपटान का अनुपात 99.44 प्रतिशत रहा। एलआईसी एक सितंबर, 1956 को संसद के अधिनियम के जरिये अस्तित्व में आई थी। यह वर्ष 2022 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई थी।

चिंतन

बच्चों के हित में सुप्रीम फैसला

बच्चों के हित में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। इससे नीट-यूजी विवाद में उलझे हजारों विद्यार्थियों को राहत मिलेगी। 20 से 25 जुलाई के प्रदर्शनों से जुड़े मामलों में सभी प्राथमिकी रह करने और इसी अवधि के प्रदर्शनों के संबंध में नई प्राथमिकी दर्ज न करने का आदेश यह बताता है कि कानून के साथ मानवीय संवेदनशीलता भी जरूरी है। प्रश्नपत्र लीक या परीक्षा में गड़बड़ी की आशंका से पहले ही विद्यार्थियों का भरोसा डगमगाता है, ऐसे में विरोध करने वाले युवाओं पर मुकदमों का बोझ डालना उनके भविष्य को और संकट में डाल सकता है। अब सरकार की असली जिम्मेदारी परीक्षा व्यवस्था में भरोसा बहाल करने की है। न्यायिक राहत तभी सार्थक होगी, जब नीट जैसी परीक्षाओं में पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। नीट कोई सामान्य परीक्षा नहीं है। इसके लिए विद्यार्थी वर्षों तक दिन-रात मेहनत करते हैं। ऐसे में प्रश्नपत्र लीक होने या परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी की खबर विद्यार्थी के लिए सिर्फ एक समाचार नहीं, बल्कि उसकी वर्षों की मेहनत पर सीधा आघात होती है। जब व्यवस्था पर भरोसा टूटता है तो आक्रोश स्वाभाविक है। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध इसी आक्रोश को व्यक्त करने का संवैधानिक रास्ता है। हालांकि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 2,873 लोगों के खिलाफ नए मामले दर्ज करने की अनुमति देकर अदालत ने यह संदेश दिया है कि आंदोलन की आड़ में कानून तोड़ने वालों को संरक्षण नहीं दिया जा सकता।
लोकतांत्रिक अधिकार अराजकता का लाइसेंस नहीं हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शन और हिंसा, तोड़फोड़ अथवा गंभीर आपराधिक कृत्य के बीच फर्क करना जरूरी है। कानून का शासन तभी मजबूत होगा, जब अधिकार और जिम्मेदारी दोनों साथ चलेंगे। इस पूरे प्रकरण में सरकार और प्रशासन को भी आत्ममंथन करना चाहिए। जब मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा और दिल्ली पुलिस के साथ महाराष्ट्र, असम, बिहार तथा पश्चिम बंगाल की ओर से प्राथमिकी रह करने की मांग की गई, तो सवाल उठता है कि यह समाधान पहले क्यों नहीं खोजा गया? किसी विद्यार्थी के खिलाफ मुकदमा दर्ज होना उसके लिए वर्षों तक चलने वाला मानसिक दबाव बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट का आत्महत्या करने वाले नीट अभ्यर्थियों के परिवारों के लिए देशव्यापी मुआवजा नीति बनाने का निर्देश इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू है। सरकार की यह जिम्मेदारी जरूर है कि ऐसी त्रासदियों को केवल आंकड़ों में बदलने के बजाय उनके पीछे छिपे दर्द को समझे। प्राथमिकी रह होना तकराल राहत है, लेकिन नीट की विश्वसनीयता बहाल करना असली चुनौती है। ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिसमें विद्यार्थी को न्याय के लिए आंदोलन का सहारा लेने की नीबत ही न आए। परीक्षा व्यवस्था जितनी पारदर्शी होगी, उतना ही विद्यार्थियों और अभिभावकों का भरोसा मजबूत होगा। इस फैसले के बाद 5 सितंबर का प्रस्तावित मार्च वापस लिया जाना भी सकारात्मक संकेत है। इसका अर्थ है कि टकराव के बीच भी संवाद का रास्ता खुला रह सकता है। असहमति लोकतंत्र का संकट नहीं है; असहमति को सुनने से इनकार करना संकट जरूर बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने विद्यार्थियों को मुकदमों के रास्ते देकर एक जरूरी संदेश दिया है। युवा केवल परीक्षा देने वाले चेहरे नहीं, देश का भविष्य हैं। उनकी मेहनत पर सवाल उठे तो व्यवस्था को जवाब देना होगा। न्याय की सबसे बड़ी कसौटी यही है कि देश का हर विद्यार्थी यह भरोसा लेकर परीक्षा दे कि उसकी मेहनत सुशुक्षित है और व्यवस्था उसके साथ खड़ी है।

विमर्श

प्रो आर .सी . कुहाड़



मेरी बोली : मेरा अभिमान

भारत की आजादी के अस्सी वर्ष पूरे होने को हैं। ये अस्सी वर्ष केवल समय की गणना नहीं, बल्कि हमारे स्वतंत्रता-संघर्ष, राष्ट्र-निर्माण और विकास-यात्रा के गहरे पड़ाव हैं। इन वर्षों में हमने क्या खोया, क्या पाया और कहाँ से कहाँ पहुंचे, इसका निष्पक्ष मूल्यांकन ही हमारी आजादी की यात्रा को समझने में सहायक हो सकता है। साथ ही यह प्रश्न भी हमारे सामने है कि हमें कहाँ जाना है और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा भारत रचने का संकल्प लेना है। स्वतंत्रता का यह अवसर हमें अपनी संस्कृति, परम्पराओं, मूल्यों और भाषायी विरासत का स्मरण कराते हुए राष्ट्र के भविष्य-निर्माण में अपना सर्वोत्तम योगदान देने की प्रेरणा देता है। आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है, यह प्रश्न आज भी उठना ही प्रासंगिक है।जितना कभी था। संविधान की प्रस्तावना में निहित “हम भारत के लोग” जैसे शब्द लोकतंत्र, समानता, सहभागिता और सामूहिक उत्तरदायित्व के अनेक अर्थ अपने भीतर समेटे हुए हैं। इसलिए प्रश्न केवल यह नहीं कि हम आजादी का उत्सव कैसे मनाएं, बल्कि यह भी है कि हम उसके वास्तविक उद्देश्यों को अपने जीवन और समाज में किस प्रकार साकार करें। जब मैं आम आदमी की बात करता हूँ, तो मेरा ध्यान सहज ही उसकी बोली-वाणी की ओर चला जाता है,उस बोली की ओर जिसे हम अपना अभिमान और दूसरे शब्दों में अपना स्वाभिमान कह सकते हैं और आज के इस विमर्श का विषय “मेरी बोली : मेरा अभिमान” मनुष्य और सभ्यता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। ‘मेरी बोली’ से अभिप्राय उन सभी भाषाओं और बोलियों से है जो सबसे पहले हमें बोलना सिखाती हैं। बोली के बिना हमारी पहचान अधूरी रह जाती है। बोली है, इसलिए हम अपनी परम्पराओं से जुड़े रहते हैं। बोली के माध्यम से ही हम अपनी परम्पराएं अगली पीढ़ियों तक पहुंचाते हैं।जिस प्रकार वृक्ष अपनी जड़ों से पोषण पाकर हरा-भरा रहता है, उसी प्रकार मनुष्य और समाज अपनी भाषा और बोली से सांस्कृतिक ऊर्जा प्राप्त करते हैं। अपनी ही भाषा में शिक्षा अधिक सहज और प्रभावी होती है। जटिल विषयों को भी अपनी भाषा में सरलता से समझाया जा सकता है। भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं, ज्ञान को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने का सशक्त साधन भी है। भारत विविधताओं का देश है। “कोस-कोस पर बदले पानी, चार कोस पर वाणी” , यह कहावत हमारी भाषायी विविधता की सुंदरता को अभिव्यक्त करती है। 1961 की जनगणना के अनुसार भारत में 1652 भाषाएं और बोलियां बोली जाती थीं। आज भी अनेक बोलियां अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। कुछ बोलियों में बोलने वालों की संख्या बहुत कम रह गई है। भाषा बहते जल के समान है। जो बोली समय और समाज के साथ संवाद बनाए नहीं रख पाएगी, उसके सामने धीरे-धीरे विलुप्त होने का खतरा बना रहता है। इन बोलियों का मूल स्वरूप, लोक-साहित्य, लोक-स्मृति और सांस्कृतिक खजाना तभी सुरक्षित रह सकता है, जब हम सामूहिक प्रयास करें। बोलियों के साहित्य और मौखिक परम्पराओं को नए माध्यमों से सामने लाना आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भारतीय भाषाओं और मातृभाषाओं के महत्व को उचित स्थान दिया गया है। त्रिभाषा सूत्र का मूल उद्देश्य भाषायी विविधता को समझना और विभिन्न भाषाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना है। बोली और भाषा में सुरक्षित विशाल साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना आवश्यक है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भाषा और बोली के संरक्षण, प्रयोग और विकास में भूमिका निभानी चाहिए। आज, जब हम स्वतंत्रता के अस्सीवें वर्ष की ओर बढ़ रहे हैं, “मेरी बोली : मेरा अभिमान” का विचार और अधिक प्रासंगिक हो गया है। वैश्वीकरण, इंटरनेट, सोशल मीडिया, डिजिटल शिक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने संचार की सीमाएं लगभग समाप्त कर दी हैं। यह परिवर्तन चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हमारी बोलियां डिजिटल दुनिया में दर्ज नहीं होंगी, यदि उनमें साहित्य, लोककथाएं, गीत, कहावतें और ज्ञान सुरक्षित नहीं किया जाएगा, तो आने वाली पीढ़ियां अपनी सांस्कृतिक स्मृतियों के एक महत्वपूर्ण हिस्से से वंचित हो सकती हैं। अपनी बोली को बचाने का अर्थ केवल उसे बोलते रहना नहीं, बल्कि उसे लिखना, पढ़ना, शोध का विषय बनाना,संरक्षित करना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना भी है। अपनी बोली से प्रेम करना किसी दूसरी भाषा का विरोध नहीं है। भारत की शक्ति उसकी भाषायी विविधता में निहित है। अंग्रेजी, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का ज्ञान प्राप्त करते हुए अपनी मातृबोली को भी सम्मान देना चाहिए। हम संकल्प लें कि अपनी बोली को केवल घर तक सीमित नहीं रखेंगे। उसे शिक्षा, साहित्य, शोध, तकनीक और डिजिटल संसार में समान मानवजनक स्थान दिलाएंगे। यही हमारी भाषायी विरासत के प्रति सच्चा सम्मान, हमारी स्वतंत्रता का सार्थक उत्सव और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी होगी।

(लेखक एच.आई.आर्.सुरेशचन्द्र केदार के कुलपति हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



गुंडा

अवधेश कुमार

>

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डॉक्टर मोहन भागवत का न्यूयॉर्क के मैनहटन स्थित मेडिसन स्क्वायर गार्डन कार्यक्रम की सफलता से अमेरिका से लेकर भारत तक के विरोधियों को बिना कोई प्रतिक्रिया दिए सटीक उत्तर मिल गया है। भारत में नेताओं ने कार्यक्रम के पूर्व अपने बयानों से इसके विरोध में माहौल बनाने की कोशिश की। दूसरी ओर अमेरिका में कुछ संगठनों ने जितना संभव हुआ, कार्यक्रम को ही रोकने की कोशिश की। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने खुलकर विरोध किया। ममदानी ने कहा कि एक ऐसे आंदोलन का उभार देखना बेहद परेशान करने वाला है, जो एक बहिष्कारवादी सोच पर आधारित है। यूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम ने अमेरिकी सरकार से संघ के सदस्यों पर प्रतिबंध लगाने और भारत में कथित धार्मिक स्वतंत्रता उल्लंघनों को लेकर मोहन भागवत का वीजा रद्द करने तक पर विचार करने का आग्रह कर दिया। भारत के विदेश मंत्रालय ने तुरंत आयोग की टिप्पणियों को खारिज करते हुए इसे पक्षपाती और विश्वसनीयता से रहित संस्था बताया था। वॉशिंगटन स्थित ईडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल ने ऐसा वैन निकाला जिसमें वीडियो स्क्रीन लगा था और जो मैनहटन की सड़कों पर घूमकर कार्यक्रम के विरुद्ध प्रचार कर रहा था। हालांकि इसका परिणाम हुआ कि अमेरिकी मीडिया में इस कार्यक्रम को बिना कोशिश के लगातार कवरेज प्राप्त हो गया। ऐसा नहीं था कि सब कुछ एकपक्षीय था। उदाहरण के लिए अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने ‘एक्स’ पर पोस्ट कर मदनानी और विरोधियों की आलोचना की। ऐसी प्रतिक्रिया देने वाले और भी कई अमेरिकी प्रसिद्ध व्यक्तित्व थे। वस्तुतः इस कार्यक्रम का आयोजन अमेरिकन ‘हिंदूज फॉर एंजेजमेंट एंड डायलॉग’ फोरम ने किया था। संगठन ने बयान जारी कर बताया कि यह कार्यक्रम 200 से अधिक हिंदू-अमेरिकी संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और इसका आधार वसुधैव कुटुम्बकम् है। विरोध अभियानों के विपरीत आयोजक की एक प्रवक्ता ने मीडिया के प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि इसका मतलब है कि हमारे बीच गहरे मतभेद भी हो सकते हैं, लेकिन फिर भी हम संवाद, सम्मान और अपनी साझा मानवता को चुन सकते हैं। यह एक बयान ही दोनों पक्षों के चरित्र में गुणात्मक अंतर को दर्शाने वाला था। अब जरा कार्यक्रम की ओर आयें। संघ की स्थापना का शताब्दी वर्ष है और इसके तहत देश और विदेश दोनों जगह कार्यक्रम हो रहे हैं। इसका विषय क्या था? यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन यानी ‘एक विश्व - एक मानवता उत्सव’। आप सोचिए, आज विश्व के संदर्भ

आध्यात्मिक चेतना क्या है

आज मनुष्य अत्यधिक भौतिकवादी तथा लालची हो गया है। बलिदान, त्याग, संतोष, प्रज्ञा, चिंतन-मनन, मुक्ति और मोक्ष जैसे शब्द हमारे शब्दकोश से धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं, जो कि आध्यात्मिक मूल्यों के द्योतक रहे हैं। व्यापक उपभोगवादी संस्कृति तथा भोग-विलास से पोषित भौतिकवाद की नई उभरी संस्कृति ने आध्यात्मिक चेतना पर पर्दा डाल दिया है। धन-अर्जन, सत्ता तथा प्रसिद्धि की लालसा और सुखवादी जीवन-प्रणाली आज जीवन का परम लक्ष्य है। सभी धर्मों में लालचन को महापाप कहा है, परंतु आज लालच ही मुख्य प्रेरणा-द्धार है। ऋषि-मुनि आध्यात्मिक मूल्यों को सर्वोच्च महत्व देते हैं। हिंदू धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों का अनुक्रम है-धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्षा अर्थ तथा काम संसारिक मूल्य हैं, जबकि धर्म तथा मोक्ष आध्यात्मिक मूल्य हैं, परंतु धर्म का स्थान सर्वदा प्रथम है। यह अर्थ तथा काम दोनों का प्रेरक तथा नियंत्रक है। जीवन के हिंदू दृष्टिकोण के अनुसार, सात्विक सर्वाधिक ऊंचा आदर्श है। इसके बाद राजसी का स्थान है, जो एक आदर्श नहीं, परंतु सामाजिक आवश्यकता है। तामसिक सबसे अधिक अपमानजनक वृत्ति है, जिससे सभी बुद्धिमान दूर रहते हैं। मनु की पद्धति में सतत्व को न्याय की संज्ञा दी गई है, राजस को आकांक्षा की तथा तमस को इच्छाओं की। महापुरुषों ने चिंतन-मनन को मनुष्य के परम आनंद के रूप में देखा। आंतरिक शांति तथा आध्यात्मिक ज्ञान के लिए समर्पित जीवन ही मानव गतिविधियों का सर्वोत्तम रूप है।

अंतर्मन



करंट अफेयर

ट्रंप ने ‘लेक ऑटारियो’ का नाम ‘लेक अमेरिका’ करने को कहा

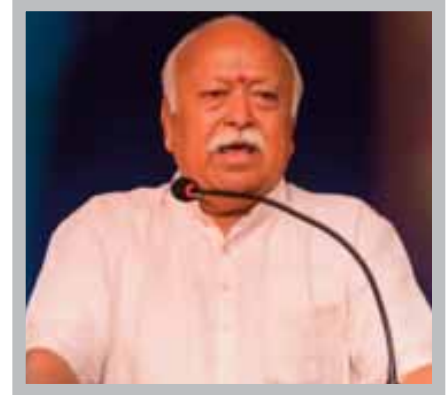
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एप्पल से अपने मानचित्र ऐप पर ‘लेक ऑटारियो’ का नाम बदलकर ‘लेक अमेरिका’ करने को कहा है। अमेरिका के गृह मंत्री ने सोमवार को यह जानकारी दी। ट्रंप ने कुछ दिन पहले ही इस झील से संबंधित एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। कनाडा के साथ बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच यह झील चर्चा में है। गृह मंत्री डग बर्गम ने फॉक्स के कार्यक्रम ‘मॉर्निंग विद मारिया’ में कहा कि ट्रंप ने ‘एप्पल से सीधे संपर्क किया है।’ उन्होंने भरोसा जताया कि एप्पल के मंच पर जल्द ही ‘लेक अमेरिका’ नाम दिखाई दे सकता है। एप्पल ने इस बारे में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। लंबे समय से लेक ऑटारियो के नाम से जानी जाने वाली यह झील अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य और कनाडा के ओंटारियो प्रांत के बीच स्थित है। ‘गूगल मैप्स’ ने अमेरिका में अपने उपयोगकर्ताओं के लिए बीते सप्ताहांत ही इस झील का नया नाम दिखाना शुरू कर दिया था। कंपनी ने इसके लिए ट्रंप के हालिया आदेश और अमेरिकी भौगोलिक माना सूचना प्रणाली (जीएनआईएस) द्वारा निर्धारित नामों का इस्तेमाल करने की अपनी पहले से जारी व्यवस्था का हवाला दिया।



यह भाषा को फिर से उसका स्थान दिलाने और उसके पुनर्जीवन की प्रक्रिया को दर्शाता है। मेरा मानना ​​है कि चित्र वाली पुस्तकें भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। ‘युथ लाइब्रेरी’ में अपने अध्ययन के दौरान मैंने चित्र वाली जिन पुस्तकों का विश्लेषण किया, उनमें एक ही पुस्तक में 11 तक भाषाएं शामिल थीं। ये पुस्तकें दक्षिण अफ्रीका, पोलैंड और नॉर्वे समेत कई देशों की थीं।

भागवत के अमेरिकी कार्यक्रम के फलितार्थ

में संपूर्ण विश्व की विविधताओं के बीच एकता के उत्सव से बड़ा विश्व कल्याण की दृष्टि से प्रासंगिक कार्यक्रम क्या हो सकता था? संघ के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने अधिकृत बयान में स्पष्ट किया कि कार्यक्रम का आयोजन खुले संवाद की भावना से किया गया है। सरसंघचालक अलग-अलग संस्कृतियों और धर्मों से जुड़े लोगों के सामने अपनी बात रखेंगे। यह कार्यक्रम खुले संवाद और एक-दूसरे के सम्मान की भावना से आयोजित किया गया है जो भारतीय’ विचार को दर्शाता है। कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के साथ - साथ 30 देशों के, 16 विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि 180 से अधिक आध्यात्मिक / धार्मिक क्षेत्र के



प्रमुख लोग भी थे। वास्तव में भागवत ने अपने संबोधन में उसी भाव को सामने रखा जो कार्यक्रम का उद्देश्य बताया गया। यहां उनमें विस्तार से नहीं जा सकते किंतु कुछ पंक्तियों का उल्लेख आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र केवल भौगोलिक इकाइयां नहीं एक दायित्व का निर्वाह करते हैं। भारत का दायित्व है कि वह विविधता में एकता के इस सत्य का साक्षात्कार करे और समय-समय पर संसार को भी इस सत्य का साक्षात्कार कराए। वननेस क्या है, इसका उत्तर देते हुए भागवत ने कहा कि भौतिक सुख स्थायी सुख या समाधान नहीं हैं। सच है कि केवल भौतिक सुख और उपलब्धियों के कारण ही व्यक्ति, समाज , राष्ट्रों के बीच समस्याएं बढ़ीं हैं। मैं आप में हूं, और आप मेरे में हैं, हम सब एक दूसरे में समाये हैं, यही वननेस है। भारतीय होने के नाते हमें संपूर्ण विश्व के कल्याणार्थ इस विचार को अपने आचरण से फैलाना है। आप सोचिए, इस तरह के संबोधन में किस पहलू का विरोध हो सकता है? अमेरिका की धरती पर उन्होंने यह भी कहा कि विश्व में दो प्रकार के लोग हैं। एक कहते हैं, ‘जियो और जीने दो’। दूसरे कहते हैं कि ‘मात्र उन्हीं को जीने का अधिकार है, जो हमारी बात मानते हैं। हम उन्ही

की रक्षा करेंगे, जो हमारे मत को मानेगा’। हिंदुत्व या हिंदू विचार या भारतीय विचार किसी को भी तीखा बोलकर विरोधी बनाने या चोट पहुंचाने की बात नहीं करता बल्कि सकारात्मक बातों से उसकी सोच बदलने का रास्ता दिखाता है। यही उन्होंने अमेरिका की भूमि से संदेश दिया। सभी धर्म के प्रति सम्मान के साथ कोई यह सोचे या चाहे कि दूसरे पंथ के लोग उसके देश में वह हिंदू नहीं हो सकता। कोई भारत में पैदा हुआ या मूल रूप से भारतीय है वह अमेरिका में रहता है तो वह कैसा व्यवहार करें? उन्होंने कहा कि जो लोग भारत से बाहर दूसरे देशों में बसे हैं, वह देश उनकी कर्मभूमि हैं। अगर हम अमेरिका में हैं तो अमेरिका का ही हिस्सा हुए।

हमें अपनी कर्मभूमि के प्रति पूरी तरह प्रामाणिक रहना चाहिए। किंतु क्योंकि आप भारतवंशी है, वह आपके पुरखों की जन्मभूमि हैं। इसलिए भारत के लिए कुछ करना संभव है तो अवश्य करें, किंतु आपकी जन्मभूमि आपसे अपेक्षा करती है कि जिन मूल्यों को लेकर आपका, आपके पुरखों का जीवन बना है, उन मूल्यों के साथ आप अपनी कर्मभूमि में कार्य करें। सच कहें तो संघ, हिंदुत्व, हिंदू और भारत के वास्तविक व्यापक दृष्टिकोण को रखकर भागवत में विरोधियों को निःशब्द किया। किंतु जिन्हें कुछ मानना ​​ही नहीं है और जिनके अंदर रोग के स्तर पर संघ का विरोध है, वह न पहले माने हैं न आगे मानेंगे। वे जो कुछ बोलते हैं, प्रचारित करते हैं, लिखते हैं, वह सब झूठ पर आधारित होता है। सीमाओं के बाहर कोई भी व्यक्ति भले किसी संगठन और विचार का हो अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहा होता है। इस रूप में भागवत का उद्घोशन संघ संगठन की सीमाओं तक सीमित न होकर भारतीय विचार और भारत के पक्ष को सही संदर्भ में रखने वाला माना जाएगा, तो हम इसे ही संघ का चरित्र और ध्व्येय क्यों नहीं माने। वस्तुतः कोई माने या ना माने, संघ के शीर्ष पदाधिकारी हमेशा इसी विचार को आगे बढ़ने का वक्तव्य देते और आचरण करते दिखते हैं। इसीलिए आप देखेंगे कि इतने विरोध और निंदा के बावजूद सामान्यतः वे इनका उत्तर देने या खंडन करने का व्यवहार नहीं अपनाते। भारत में संघ का अभी तक यही चरित्र रहा है और विश्व के कार्यक्रमों के संदर्भ में भी किसी विरोध के प्रत्युत्तर की कोई कोशिश तक नहीं हुई। यह ऐसा व्यवहार है जिससे देश और विदेश के विरोधियों को सीखना चाहिए। इसी से संघ का समर्थन लगातार बढ़ता है। अमेरिका में उस तरह का कार्यक्रम स्वयं उन संगठनों के वश की बात नहीं जो विरोध का झंडा उठाए हुए थे।

(लेखक बरिष्ठ सञ्जकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अजकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

ब्रह्माजी को दंड देने के लिए प्रकट हुए थे कालभैरव

शिवजी के 19 अवतारों में से एक है कालभैरव। भैरव अवतार से जुड़ी कई अलग-अलग मान्यताएं हैं। कुछ मान्यताओं में ब्रह्माजी को दंड देने के लिए शिवजी के क्रोध से कालभैरव प्रकट हुए थे। कालभैरव की उत्पत्ति से जुड़ी सृष्टि की शुरुआत के समय की बहुत प्रचलित कथा है। एक दिन ब्रह्मा जी और विष्णु जी खुद को श्रेष्ठ बताने के चक्कर में विवाद करने लगे। विवाद इतना बढ़ गया कि युद्ध की स्थिति बन गई। उस समय शिवलिंग प्रकट हुआ और शिव जी ने इन दोनों का विवाद शांत किया। उसी समय वहां एक विशाल पुरुष की आकृति प्रकट हुई। ये आकृति शिवजी का ही एक रूप थी। शिव जी ने उससे कहा कि तुम काल के समान हो और भीषण हो। इसी वजह से तुम्हारा नाम कालभैरव होगा। पंचमुखी ब्रह्मा जी बार-बार खुद को श्रेष्ठ बताने की कोशिश कर रहे थे। उस समय ब्रह्मा जी को दंड देने के लिए कालभैरव ने ब्रह्माजी का एक सिर काट दिया था। इस घटना के बाद से ब्रह्मा जी चतुर्मुखी हो गए। शिव जी ने कालभैरव को काशी का नगरपाल बना दिया। कालभैरव की पत्नी भैरवी देवी पार्वती की अवतार हैं। कालभैरव की पूजा में शराब (मदिरा), तामसिक खाना खासतौर पर चढ़ाया जाता है। दरअसल, कालभैरव हमारी बुराइयों को खत्म करने वाले देवता हैं। इनकी पूजा करते समय भक्त नशे की चीजें बुढ़ाकर अपनी बुराइयां छोड़ने का संकल्प लेता है। जो लोग इस संकल्प को निभाते हैं, उन्हें भैरव की विशेष कृपा मिलती है।



अमाविष को बधाई

पंजाब यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन चुनाव में एबीवीपी की शानदार जीत पर काउंसिल के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई। लगातार दूसरी बार मिली यह जीत, राष्ट्र प्रथम की विचारधारा में युवा शक्ति के अदृढ़ दिव्वास का प्रमाण है।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री



जीडीपी ग्रोथ

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8% जीडीपी ग्रोथ टैरा की आर्थिक मजबूती, मुश्किलों से उबरने की क्षमता और 140 करोड़ भारतीयों को अदृढ़ जज्बे का जबरदस्त सबूत है।

- जगत् प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री



गैंगरेप की घटना शर्मनाक

नोएडा से दिल्ली जा रही बस में मैगनपुरी की एक छात्रा के साथ हर्ष गैंगरेप की घटना बेहद भयावह और शर्मनाक है। महिलाओं की सुरक्षा के वगैरे के बीच, ऐसी घटनाएँ बीजपी सरकार की विफलता को उजागर करती हैं। इस मुश्किल घड़ी में हम पीड़िता और उसके परिवार के साथ खड़े हैं।

- डिपल यादव, सांसद, सपा



वोटों की चोरी

भाजपा द्वारा वोटों की चोरी करके भारतीय लोकतंत्र को खोखला करने की साजिश अब सबके सामने आ रही है। जहां भाजपा को फायदा होता है, वहां नातयता जड़े जाते हैं; जहां फायदा नहीं होता, वहां वोटों को बाँकर ‘वोटों की चोरी’ की जाती है।

- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस



हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिंछाई, जबलपुर (मप्र)

पिन कोड-482002

ई-मेल : edit@haribhoomi.com

वेब-साइट : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मिढासन नदी में युवक ने लगाई छलांग, पुल पर मिला मोबाइल

अमानगंज। नगर के वार्ड क्रमांक 8 निवासी 32 वर्षीय सुशील सोनी पिता कैलाश सोनी द्वारा मिढासन नदी के पुल से नदी में छलांग लगाने की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर युवक ने यह कदम उठाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुल पर युवक का मोबाइल फोन मिला, जिसके बाद नदी में उसकी तलाश शुरू कराई गई। मौके पर लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। पुलिस की मौजूदगी में रेस्क्यू टीम नाव के माध्यम से नदी में सर्वे ऑपरेशन चला रही है। युवक की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची और लगातार खोजबीन में जुटी है। फिलहाल युवक का कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस मामले की जांच कर घटना के पीछे की वजह का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

युवक ने अज्ञात कारणों से लगाई फांसी, हुई मौत

नरसिंहपुर। ठेमी थाना क्षेत्र के ग्राम करकबेल में एक युवक द्वारा अज्ञात कारणों के चलते अपने ही घर में फांसी लगाकर खुदकुशी करने का मामला सामने आया है। घटना के वक्त परिजन घर में ही मौजूद थे, जबकि उसकी पत्नी रक्षाबंधन पर्व पर मायके गई हुई थी। ग्राम करकबेल निवासी 30 वर्षीय अजय पिता बिस्सु प्रजापति अपने कमरे में था। काफी देर तक कमरे से कोई आहट न मिलने पर परिजनों ने आवाज दी। अंदर से कोई प्रतिक्रिया न आने पर संदेह होने पर परिजनों ने खिड़की का कांच तोड़ा। अंदर झाने पर अजय लोहे के जंगले में साड़ी के फंदे से लटका दिखाई दिया। परिजनों ने तत्काल दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारा। फंदे से उतारते वक्त अजय की सांसें चल रही थीं, जिस पर परिजन उसे तत्काल शासकीय जिला अस्पताल लेकर पहुंचे।

पूर्व सरपंच को 30 दिन का कारावास

डिंडोरी। मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 92 के प्रावधानों के तहत ग्राम पंचायत रकरिया के पूर्व सरपंच शिवनंदन सिंह उईके के विरुद्ध 30 दिवस के कारावास का आदेश जारी किया गया है। यह कार्रवाई पंचायत निधि से संबंधित वित्तीय अनियमितता के मामले में निर्धारित राशि जमा नहीं किए जाने के बाद की गई है। प्रकरण के अनुसार प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत वर्ष 2017-18 में पोषक ग्राम सूरजपुरा में ग्राम चौपाल एवं सामुदायिक शौचालय निर्माण के लिए 2 लाख 50 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। दोनों कार्यों के लिए कुल 5 लाख रुपये का आहरण किया गया।

चित्रकूट बाढ़ आपदा सतना से उमड़ा संवेदनाओं का सैलाब, प्रशासन जन प्रतिनिधियों और सेवा संकल्प संस्थाओं ने बढ़ाये मदद के हाथ



सतना। चित्रकूट में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की बेबसी और पीड़ा को देखते हुए सतना से राहत और सेवा का अनवरत सिलसिला जारी है। संकट की इस घड़ी में जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन, सामाजिक संगठन और व्यापारी तन-मन-धन से एकजुट होकर प्रभावितों तक राहत सामग्री और भोजन पहुंचा रहे हैं।

महापौर योगेश ताम्रकार ने रवाना किए राहत सामग्री से भरे वाहन

महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने चित्रकूट के बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री से लदे दो वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह सामग्री चित्रकूट जिला प्रशासन के माध्यम से जिला पंचायत सीईओ शैलेंद्र सिंह को सौंपी जाएगी, जो इसे प्रभावितों तक पहुंचाएंगे। 5 किंवदेल गेहूं, 2 किंवदेल चावल, 2 किंवदेल चना, 500 टी-शर्ट, 1000 जोड़ी जूते, 1000 महिला-पुरुष अंडरगार्मेंट्स, 1000 तौलिये और 500 रेनकोट। इससे पूर्व भी महापौर द्वारा 'सेवा संकल्प' के माध्यम से 1,000 भोजन पैकेट चित्रकूट भेजे जा चुके हैं।



विध्य विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष संजय तीर्थवानी का राहत अभियान

विध्य विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष संजय तीर्थवानी संकट के समय में एक संवेदनशील जनसेवक के रूप में चित्रकूट के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में डटे हुए हैं। संजय तीर्थवानी मित्र मंडल द्वारा नयागांव बाजार, केवटरा और भरतघाट जैसे गंभीर रूप से प्रभावित

क्षेत्रों में राहत सामग्री बांटी जा रही है। तीसरे दिन 500 कंबल और 500 गर्मागर्म भोजन पैकेटों का वितरण किया गया। इस अभियान की मुख्य विशेषता यह है कि संजय तीर्थवानी का पूरा परिवार व सहयोगी सतना में ताजा भोजन बनवाकर पैकेट तैयार कर रहे हैं, जिन्हें तत्काल चित्रकूट भेजकर वितरित किया जा रहा है। संजय तीर्थवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा से आपदा के समय राजनीति से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करना ही सबसे बड़ा दायित्व है।

'सेवा संकल्प' संस्था बनी सहारा जिला अस्पताल की सेवाएं भी जारी

बाढ़ में अपना सबकुछ गंवा चुके परिवारों को संभल देने के लिए 'सेवा संकल्प' संस्था के कार्यकर्ता पुरैदी से जुटे हैं। संस्था द्वारा हजारों भोजन पैकेट योजना दोपहर 12 बजे चित्रकूट के लिए रवाना किए जा रहे हैं। बाढ़ राहत कार्य के साथ-साथ संस्था द्वारा सतना जिला अस्पताल परिसर में मरीजों के परिजनों के लिए नियमित भोजन वितरण सेवा भी बिना रुके जारी है।



चित्रकूट में मंदाकिनी का तांडव: बस्तियों में घुसा बाढ़ का पानी

सतना/चित्रकूट। जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते चित्रकूट में मंदाकिनी नदी उफान पर आ गई। जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण बाढ़ का पानी आरोग्यधाम घाट, लोसरिहा, केवटरा और नयागांव जैसी तटीय बस्तियों में प्रवेश कर गया, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह स्वयं मैदान में उतरे और पूरे प्रशासनिक अमले के साथ राहत व बचाव कार्यों की कमान संभाली।

एसडीआरएफ-एनडी आर एफ ने संभाला मोर्चा; पानी उतरते ही राहत-बचाव कार्य तेज



सड़कों पर नाव, रेस्क्यू ऑपरेशन और आश्रय

निचले इलाकों में पानी भरते ही प्रशासन ने लाउडस्पीकर से मुनादी करवाकर लोगों को अलर्ट किया। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोग्यधाम और केवटरा क्षेत्र में फंसे दर्जनों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। प्रभावितों के आवागमन के लिए 6 टैक्सियां रिजर्व की गईं, जबकि वन देवी आश्रम के दो हॉल खोलकर 100 से अधिक लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गई। इसके अलावा सोहार्स, रनेही और नयागांव क्षेत्र में प्रभावित परिवारों के बीच नाश्ते व भोजन का वितरण किया गया।



जैतवारा में भी संकट, 3 सितंबर तक स्कूल और कॉलेज बंद

जैतवारा नगर परिषद क्षेत्र में सेमरावल समेत तीन नदियों के उफान से वार्ड 6, 7 और 13 के जलमग्न घरों से लोगों को निकालकर रॉयल और बालाजी कॉम्प्लेक्स में शिफ्ट कराया गया। सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे अंडरब्रिज समेत तीन प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग कर आवागमन बंद कर दिया गया है। वहीं, सतना नदी के कटाव के कारण अटरा-जिगनाहट मार्ग पूरी तरह बंद कर वैकल्पिक मार्ग लागू किया गया है। बिगड़ते मौसम और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने जिले के सभी स्कूलों, आंगनवाड़ियों और कॉलेजों में 3 सितंबर तक का अवकाश घोषित कर दिया है।

माई की मौत के बाद भागी के फर्जी हस्ताक्षर, देवर पर धोखाधड़ी का केस

छिंदवाड़ा। नरसिंहपुर रोड स्थित बसंत कॉलोनी में माई की मौत के बैंक खातों से कथित रूप से फर्जी हस्ताक्षर कर रकम ट्रांसफर करने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद हैडराइटिंग एक्सपर्ट की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार बसंत कॉलोनी निवासी अमित सूचक के बड़े भाई रैतेश सूचक की 6 अप्रैल 2024 को हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। दोनों भाई ज्वाइंट व्यापार करते थे। आरोप है कि माई की मौत के बाद अमित बैंक खातों से जुड़े कामकाज देख रहा था और इसी दौरान उसने अपनी भाभी प्रीति के फर्जी हस्ताक्षर कर बैंक खातों से राशि ट्रांसफर की। मामले की शिकायत प्रीति द्वारा किए जाने के बाद पुलिस ने दस्तावेजों और हस्ताक्षरों की जांच हैडराइटिंग एक्सपर्ट से कराई। जांच रिपोर्ट में हस्ताक्षर फर्जी पाए जाने के बाद पुलिस ने अमित के खिलाफ धारा 420, 467, 468 और 471 भादवि के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस बैंक खातों के लेन-देन और अन्य दस्तावेजों की भी जांच कर रही है।



स्केटिंग करते हुए 12 ज्योर्तिलिंगों की यात्रा पर चल रहे झारखंड के अजय

नरसिंहपुर। झारखंड जिले के फुलवैया पंचायत से स्केटिंग करते हुए 12 ज्योर्तिलिंगों और चार धाम की यात्रा पर निकले अजय विश्वकर्मा का तैकूबेड़ा पहुंचने पर देखने को मिला। अपने पैरों के जूतों में चके लगाये हुये हैं प्रतिदिन 150 किलोमीटर की यात्रा कर जहां रात्रि हो जाती हैं वहीं रुक जाते हैं। खाने पीने के लिए भी बहुत से लोग सहयोग के लिए आगे आ जाते हैं। अजय को अपने घर से निकले हुये एक साल 10 दिन हो गए हैं और अभी तक 17 राज्यों से गुजर चुके हैं। उनका कहना है कि अलग अलग राज्यों में भ्रमण करने के बाद भाषा और लोगों से मिलने के बाद मग्न में आकर एक अलग ही अंदाज में लोगों से मिलना बहुत अच्छा लगा। अपनी यात्रा के साथ ज्योर्तिलिंगों और धार्मिक स्थलों का करीब से दर्शन करने के साथ साथ सनातन संस्कृति के प्रति निष्ठा युवाओं को एक संदेश देना व्यसनों से दूर रहना ही उनका मुख्य उद्देश्य है।

बच्चों की मौत पर भड़का आदिवासी समाज!

कल बालाघाट बंद, हजारों के जुटने का दावा

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के बौहर और परसवाड़ा क्षेत्र के आदिवासी गांवों में बच्चों की मौत के मामले में कोई कार्रवाई नहीं होने से आदिवासी समाज नाराज है। इसी नाराजगी के चलते 3 सितंबर को बालाघाट बंद का ऐलान किया गया है।

आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने मंगलवार शाम 6 बजे हड़ताल स्थल पर प्रेस से बात करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बंद के दौरान इमरजेंसी सेवाओं को छूट दी जाएगी, लेकिन व्यापारिक प्रतिष्ठान, परिवहन, बाजार और अन्य सेवाएं बंद रहेंगी। आदिवासी समाज का आरोप है कि दो दर्जन से ज्यादा आदिवासी बच्चों की मौत के बावजूद, प्रदेश सरकार ने जिम्मेदार स्वास्थ्य, पीएचई और महिला एवं बाल



विकास विभाग के अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की है। समाज का कहना है कि सरकार ने जो मुआवजा दिया है, वह भी बहुत कम है। उनकी मांग है कि सरकार मुआवजा राशि बढ़ाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करे।

आदिवासी विकास परिषद के जिलाध्यक्ष दिनेश धुर्वे ने बताया कि यह बंद आंदोलन आदिवासी बच्चों की मौत पर न्याय की मांग को लेकर

किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि इस आंदोलन में बालाघाट के आदिवासी और गैर-आदिवासी समाज के अलावा, मंडला, डिंडोरी, सिवनी, बैतूल और अन्य आदिवासी क्षेत्रों से भी लोग बालाघाट पहुंचेंगे। यहां सभी आदिवासी बच्चों को न्याय दिलाने की मांग करेंगे। ललित उईके, जो 21 अगस्त से लगातार आदिवासी बच्चों को न्याय,

जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और मृतक परिवारों को आर्थिक मदद की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, उन्होंने बताया कि बंद आंदोलन की शुरुआत हड़ताल स्थल से होगी। इस बंद आंदोलन में शामिल सभी आदिवासी और गैर-आदिवासी समाज के लोग रैली के रूप में शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचेंगे। वहां वे अपनी मांगों को लेकर जापन सौंपेंगे।



जमीन के 30 फीट नीचे बने रहस्यमयी घर, 1000 साल से रह रहे लोग

ट्यूनिस। जब भी हम किसी के घर की कल्पना करते हैं, तो हमारे दिमाग में ईंट, सीमेंट और छत से बनी एक ऐसी इमारत आती है, जो जमीन के ऊपर खड़ी होती है। लेकिन, दुनिया में एक ऐसी जगह भी है, जहां लोग जमीन के ऊपर घर बनाने के बजाय जमीन के अंदर गड्ढा खोदकर रहते हैं। ये बिल्कुल पाताल लोक का अहसास दिलाता है। हम बात कर रहे हैं ट्यूनीशिया के दक्षिणी इलाके में बसे मातमाता नाम के एक छोटे से गांव की, जो अपनी इसी अनोखी बनावट की वजह से पूरी दुनिया में जाना जाता है। आमतौर पर गर्म इलाकों में लोग गर्मी से बचने के लिए पहाड़ों को काटकर गुफाएं बनाते हैं। लेकिन, मातमाता गांव के बर्बर समुदाय के लोगों ने बिल्कुल अलग तरीका अपनाया। उन्होंने पहाड़ की दीवारों को काटने के बजाय सीधी जमीन में ही एक बहुत बड़ा और गहरा गड्ढा खोद दिया। इस बड़े गड्ढे को वे अपने घर का आंगन बनाते हैं



आखिर क्यों बनाए पाताल लोक में घर ?

इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलता है कि यह इलाका लीबिया और ट्यूनीशिया के बीच का एकमात्र मैदानी रास्ता हुआ करता था। इस वजह से पुराने जमाने में विदेशी हमलावर बार-बार यहां से गुजरते थे और लूटपाट मचाते थे। हमलावरों से अपनी जान और माल बचाने के लिए बर्बर समुदाय के लोगों ने सुरक्षा के लिहाज से जमीन के नीचे एक तरह से पाताल लोक में छिपकर रहना शुरू किया। शुरुआत में वे पहाड़ियों पर छिपते थे, लेकिन बाद में जब अरब हमलावरों के साथ उनके रिश्ते सुधरे, तो वे नीचे के मैदानी इलाकों में आए और जमीन के अंदर गड्ढे वाले ये घर बनाने लगे। मातमाता गांव की एक और बड़ी पहचान यह भी है कि इसका कनेक्शन होलीवुड से बहुत गहरा है।

और फिर उस गड्ढे की अंदरूनी दीवारों को खोदकर चारों तरफ कमरे तैयार करते हैं। कई बार तो आसपास बने ऐसे कई गड्ढों को आपस में जोड़ने के लिए जमीन के नीचे ही खंदक जैसी सुरंगें बना दी जाती हैं, जिससे यह पूरा इलाका एक बड़ी भूलभुलैया जैसा लगता है। अब सवाल यह उठता है कि जमीन के अंदर इतने बड़े गड्ढे और कमरे खोदना कैसे आसान हुआ? दरअसल, मातमाता का यह पूरा इलाका बलुआ पत्थर की एक ऐसी परत पर बसा है, जो बहुत ही नरम होती है। इसे हाथ के साधारण औजारों से भी आसानी से खोदा जा सकता है। लेकिन, खास बात यह है कि यह पत्थर जितना खोदने में आसान है, सदियों तक बिना गिरे टिके रहने में उतना ही मजबूत भी है। बर्बर समुदाय के लोग पिछले एक हजार से भी ज्यादा सालों से इसी तरीके से जमीन के अंदर अपने आशियाने बनाते आ रहे हैं।

कुदरत और इंसान की समझदारी का एक बेजोड़ नमूना

दुनिया भर में मशहूर फिल्म स्टार वॉर्स की शूटिंग इसी गांव में हुई थी। फिल्म के मुख्य किरदार ल्यूक स्काईवॉकर का जो घर पदें पर दिखाया गया था, वह असल में मातमाता का ही एक अंडरग्राउंड होटल है, जिसका नाम सिद्धि दिस है। आज भी इस गांव में बहुत से लोग जमीन के नीचे बने इन पारंपरिक घरों में रह रहे हैं। बाहर चाहे कितनी भी भीषण गर्मी या झूलसाने वाली धूप हो, इन गड्ढे वाले मकानों के अंदर का तापमान हमेशा एकदम ठंडा और सुहावना बना रहता है, जो कुदरत और इंसान की समझदारी का एक बेजोड़ नमूना है।

रोचक खबरें

सबसे बूढ़ी बिल्ली, लेती है प्रोटीन रिच डाइट, पीती है सिर्फ मिनरल वॉटर!

लंदन। बिल्लियां आमतौर पर 12 से 18 साल तक जीवित रहती हैं। 20 साल पार करना भी दुर्लभ माना जाता है। लेकिन, इंग्लैंड के स्टॉकपोर्ट में एक ऐसी बिल्ली है जिसने 31 साल का आंकड़ा छू लिया है। उसका नाम है मिली। हाल ही में मिली ने अपना 31वां जन्मदिन मनाया और सोशल मीडिया पर उसकी चर्चा जोरों पर है। लोग हैरान हैं कि एक बिल्ली इतनी लंबी उम्र कैसे जी सकती है? मिली एक टॉर्टोइशेल बिल्ली है। उसे 1995 में बिल्ली के बच्चे के रूप में गोद लिया गया था। तब से वह अपने मालिक के साथ रह रही है। मालिक का कहना है कि मिली की लंबी उम्र का राज उसकी खास डाइट और देखभाल में छिपा है। मिली प्रोटीन से भरपूर आहार लेती है जिसमें सैल्मन, प्रॉन्स, चिकन, टूना और अन्य मांस शामिल हैं। पानी की जगह वह सिर्फ बक्सटन मिनरल वॉटर पीती है। इसके अलावा भरपूर नैप्स, ट्रीट्स और ढेर सारा प्यार-दुलार उसकी दिनचर्या का हिस्सा है। सोशल मीडिया पर मिली की तस्वीरें और जन्मदिन की बधाई के पोस्ट वायरल हो रहे हैं। लोग कमेंट में लिख रहे हैं कि 31 साल की बिल्ली देखना सौभाग्य की बात है। कई पेट लवर्स अपनी बिल्लियों की उम्र बता रहे हैं और मिली से तुलना कर रहे हैं। कुछ ने पूछा कि क्या सच में मिनरल वॉटर और प्रोटीन डाइट इतना फर्क डाल सकती है। हालांकि, मिली की उम्र गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा आधिकारिक रूप से सत्यापित नहीं है।

ग्रूएस में गधे ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड मालकिन बनवा रही तस्वीर वाली टी-शर्ट

वॉशिंगटन। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में रहने वाले 16 साल के एक गधे का नाम अब अधिकारिक तौर पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया है। इस खुशी में उसकी मालकिन जेनिफर जी ने पूरे परिवार संग पार्टी की और गधे को गले लगाकर स्पेशल ट्रीट भी दी। इतना ही नहीं, अब वो गधे की तस्वीर वाली टी-शर्ट भी बनवा रही हैं।' गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक, इस गधे का नाम हैँक है, जिसने जिंदा गधों में सबसे लंबे कान होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। हैँक के कान 17.12 इंच लंबे हैं, जो जॉर्जिया के पिछले रिकॉर्ड-होल्डर गधे 'होप' से लगभग 1.5 इंच लंबे हैं। इसी वजह से हैँक आसानी से यह खिताब जीत गया। जेनिफर बताती हैं, 'हैँक से मेरी पहली मुलाकात 5 साल पहले हुई थी, जब वह बिक्री के लिए दूसरे गधों के साथ रखा गया था। उस वक़्त मैं खुद मेरे पास आ गया था, जैसे उसी ने मुझको मालिकन चुन लिया हो। उसने मेरा साथ तब तक नहीं छोड़ा, जब तक कि मैंने उसे अपने साथ घर ले जाने का फैसला नहीं कर लिया।' जेनिफर ने आगे कहा, 'हैँक बहुत ही चंचल है, शायद इसी वजह से पिछले 5 सालों की दोस्ती में हमारे बीच एक गहरा रिश्ता बन गया। हैँक को सबसे ज्यादा मजा ट्रेल ऑब्सटेकल कॉम्पिटिशन में आता है। लेकिन, मैं उस जहां भी ले गई, लोग हमेशा यही कहते हैं कि उन्होंने इतने बड़े कान पहले कभी नहीं देखे'।

मर्डर का दोषी भागकर बना सरकारी टीचर, 40 साल बाद फिर पहुंचा जेल

हैदराबाद। हल्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे एक कैदी को दिसंबर 1983 में मात्र 91 दिनों की पैराल मिली थी, लेकिन वो 4 दशक तक जेल से बाहर रहने में कामयाब रहा। इस दौरान ना तो वो अंडरग्राउंड हुआ, ना ही दूसरे देश भागा, बल्कि इस सब के उलट, उसने बाकायदा सरकारी टीचर की नौकरी हासिल की। साल 2004 में बेस्ट टीचर का अवार्ड जीता और फिर साल 2013 में मजे से रिटायर भी हो गया, लेकिन पुलिस को भनक लक नहीं लगी। उसकी गिरफ्तारी के लिए बनाई गई स्पेशल टास्क फोर्स को 16 मई 2024 में उसकी लॉकेशन मिली, जिसके बाद उसे गिरफ्तार करके वापस सेंट्रल जेल भेज दिया गया। तब तक वो कैदी 73 साल का हो गया था। जेल लौटने पर उसकी 27 दिन की जमा की गई छूट (रैमिशन) रद्द कर दी गई और तीन साल तक पैरौल या फलों पर रोक लगा दी गई। इस कार्रवाई के खिलाफ उसकी पत्नी ने तेलंगाना हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और 40 साल की लंबी देरी का हवाला देते हुए पति की उम्र और खराब स्वास्थ्य के आधार पर मेडिकल पैरौल की मांग की। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी वकील ने हाई कोर्ट में इस याचिका का विरोध करते हुए कहा, 'पैरौल कोई जन्मसिद्ध अधिकार नहीं है। अगर कोई कैदी पैरौल की बातें तोड़ता है, तो उसे सजा मिलना तय है। जब यह कैदी पैरौल खत्म होने के बाद वापस नहीं लौटा था, तब पुलिस अधीक्षक को कई चिट्ठियां लिखी गई थीं और अंत में उसे पकड़ने के लिए खास टीम बनाई गई थी, जिसने अब उसे गिरफ्तार किया है। उसने खुद सरेंडर नहीं किया है। ऐसे में पैरौल नहीं दी जानी चाहिए।' हाई कोर्ट ने राहत देने से किया इनकार

जस्टिस टी माधवी देवी ने इस केस की सुनवाई करते हुए कहा कि यह कैदी अपने जीवन का सबसे बेहतरीन समय जेल से बाहर बिताने में कामयाब रहा है। उसने अपनी सजा की बात छिपाकर धोखे से सरकारी नौकरी हासिल की और सारे फायदे उठाए। कोर्ट ने साफ कहा कि 40 साल तक किसी कैदी का इस तरह गायब रहना और बिना रोक-टोक सरकारी नौकरी करना, बिना गार्ड के पैरौल देने वाले जेल प्रशासन की व्यवस्था की पोल खोलता है। स्वास्थ्य के आधार पर मांगी गई पैरौल को भी कोर्ट ने यह कहकर ठुकरा दिया कि जेल में इलाज की पूरी सुविधा मौजूद है।

अरब देशों पर खतरे की घंटी

रियाद। जलवायु परिवर्तन अरब दुनिया में एक बड़े खतरे की घंटी बजा रहा है। पूरे अरब जगत में पानी की कमी, खराब होती फसलें और खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों पर जलवायु परिवर्तन का असर साफ दिख रहा है। इस इलाके में पहले से ही पानी की भारी कमी है। अब जलवायु परिवर्तन की वजह से भुखमरी और मानवीय संकट के प्रति और बहुत ज्यादा संवेदनशील होता जा रहा है। इस स्थिति को लेकर एक्सपर्ट ने चेताया है। खाड़ी सहयोग परिषद देशों के लिए संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन के कोऑर्डिनेटर अहमद मुख्तार ने बताया है कि प्रति व्यक्ति ताजे पानी की उपलब्धता के मामले में अरब दुनिया का सबसे ज्यादा पानी की कमी वाला इलाका है। यहां खेती के लायक जमीन 5 प्रतिशत से कम है और रेगिस्तान का दायरा तेजी से बढ़ रहा है।

पहली बार दिखी कैंकड़ों की रानी! काला नहीं, बैगनी है उसका रंग

बैगनी कैंकड़े की तस्वीरें हुई वायरल

बैँकाक। आपने अपनी जिंदगी में कई बार कैंकड़े देखे होंगे। इसमें छोटे-बड़े, काले या भूरे रंग के कैंकड़े शामिल हैं। लेकिन, थाईलैंड के एक तस्वीरें खींचीं वाली ही में ऐसा कैंकड़ा देखा गया, जिसने सबका ध्यान खींच लिया। इसका रंग सामान्य काला नहीं, ब l क खू ब सूर त बैंगनी है। रेंजर्स ने इसे 'कैंकड़ों की रानी' जैसा अनमोल नजारा बताया और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं।

कहां और कैसे दिखी?

थाईलैंड के कैंग क्रायन नेशनल पार्क के फानोएन थुंग चेतफाईं पर रेंजर्स ने इस ब्लूम कैंकड़ की तस्वीरें खींचीं। पार्क हर साल 1 अगस्त से 31 अक्टूबर तक बंद रहता है। बंद होने से ठीक पहले के दिनों में यह नजारा मिला। पार्क चीफ मोंगकोल चैयाफाकड़ी ने इसे प्रकृति का अनमोल उपहार बताया। इस प्रजाति को 'प्रिंसेस क्रैब' या 'सिरिधर्न क्रैब' या पांडा क्रैब भी कहा जाता है।

बरसात के पानी को जमा करने की निंजा टेक्निक

किंगाली। दुनिया भर में पीने के पानी की किल्लत एक गंभीर समस्या बन चुकी है। कई देशों में सूखे की खबरें आती रहती हैं, भूजल स्तर लगातार गिर रहा है और लोग दूर-दूर से पानी लाने को मजबूर हैं। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग यानी बारिश के पानी को जमा करने पर जोर दिया जाता है, लेकिन कई जगहों पर इसे अनदेखा कर दिया जाता है। रवांडा ने इस मामले में एक मिसाल पेश की है। यहां के ज्यादातर घरों की छतें ऐसी बनाई गई हैं कि बरसात का एक भी बूंद व्यर्थ नहीं जाता। रवांडा की ये तकनीक बेहद सरल, लेकिन असेरदार है। घरों की छतों को विशाल कलेक्शन फनल



यानी चोंगे के आकार में डिजाइन किया गया है। छत का ढलान इस तरह रखा गया है कि बारिश का पानी चारों तरफ से एक केंद्रीय चैनल में इकट्ठा होता है और पाइप के जरिए सीधे भूमिगत टैंकों में पहुंच जाता है। नतीजा ये होता है कि बरसात का पानी घर की टंकी में सुरक्षित जमा हो जाता है और जब जरूरत हो तब इस्तेमाल किया जा सकता है।

किल्लत में दूढ़ रहे जुगाड़ - रवांडा अफ्रीका का एक छोटा लेकिन प्रगतिशील देश है। यहां पहाड़ी इलाके ज्यादा हैं और बारिश का पेटर्न मौसमी होता है। कुछ महीनों में अच्छी बारिश हो जाती है तो कुछ समय सूखा पड़ सकता है। ऐसे में बारिश के पानी को सहेजना बेहद जरूरी हो जाता है। सरकार और नागरिक दोनों इस दिशा में जानरूक हैं। कई इमारतों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को बढ़ावा दिया जा रहा है। तकनीकी की खास बात ये है कि इसमें मलिन्य की कोई जटिल मशीनरी नहीं लगती। स्मार्ट डिजाइन, स्थानीय सामग्री और प्रकृति के साथ तालमेल से काम चल जाता है। छत को थोड़ा ढलवां और केंद्र की तरफ पानी इकट्ठा करने लायक बनाया जाता है।

नासा बनाएगा ब्रह्मांड का सबसे बड़ा 3डी नक्शा

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष को देखने के लिए वैज्ञानिकों को एक नई आंख मिल गई है। नासा ने 'रोमन स्पेस टेलीस्कोप' को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। यह टेलीस्कोप रविवार को अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित नासा के केंनेडी स्पेस सेंटर के लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39ए से स्पेस-एक्स के फाल्कन हेवी रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष के लिए रवाना हुआ है। यह हबल और जेम्स वेब के बाद सबसे ताकतवर दूरबीन है, जो अंतरिक्ष में अनसुलझे रहस्यों को सुलझाने में बड़ी मदद करेगी। यह ऑब्जर्वैटरी पृथ्वी से करीब 15-16 लाख किलोमीटर दूर अंतरिक्ष में 'लैंग्रेंज पॉइंट-2' (एल 2) पर लगाई जाएगी। यह वही जगह है, जहां नासा का मशहूर जेम्स वेब टेलीस्कोप मौजूद है। हबल और जेम्स वेब के बाद इसे अंतरिक्ष में इंसान की तीसरी सबसे बड़ी और ताकतवर 'आंख' माना जा रहा है, जिससे वैज्ञानिक ब्रह्मांड के गहरे रहस्यों को आसानी से समझ सकेंगे।

अरबों गैलेक्सियों को देखेगा नैन्सी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप, खोजेगा दूसरी दुनिया



नैन्सी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप क्या काम करेगा?

ब्रह्मांड के फैलाव का राज खोलेगा: दुनिया तेजी से क्यों फैल रही है, उस रहस्यमयी और अद्भूत ताकत (डार्क एनर्जी) को समझेगा। अद्भूत शक्ति की पहचान: अंतरिक्ष में जो चीजें हमें दिखाई नहीं देतीं, लेकिन सब कुछ थामे रखती हैं (डार्क मैटर), उनका नक्शा बनाएगा। ब्रह्मांड का 3डी नक्शा: 2 अरब से ज्यादा आकाशगंगाओं को स्कैन करके अंतरिक्ष का अब तक का सबसे बड़ा और साफ 3D नक्शा

तैयार करेगा।

हजारों नए ग्रहों की तलाश: हमारे सौरमंडल के बाहर मौजूद हजारों नए और अनजान ग्रहों को खोज निकालेगा। तारों के पीछे छिपे ग्रहों की तस्वीरें: तारों की तेज चमक को ढबाकर उनके पीछे छिपे बेहद धुंधले ग्रहों की सीधी फोटो खींचेगा। तारों के बिसफोट पर नजर : अंतरिक्ष में जब कोई बड़ा तारा धमाके के साथ खत्म होता है (सुपरनोवा), यह उस

पर नजर रखकर दूरियों का हिसाब लगाएगा। हमारी अपनी आकाशगंगा की पड़ताल: जिस गिल्की वे में हम रहते हैं, उसके बीच के घने और अंधेरे हिस्से की गहराई से जांच करेगा। आकाशगंगाओं के जन्म की कक्षाओं: अरबों साल पहले आकाशगंगाएं कैसे बनीं और समय के साथ कैसे बदलती गईं, इसका पूरा इतिहास निकालेगा।

महिला ने बालों से उठाया 75 किलो वजन, बनाया विश्व रिकॉर्ड

मेक्सिको। बाल महिलाओं के श्रृंगार का सबसे अहम हिस्सा होते हैं, जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। हालांकि, कुछ महिलाएं इन्हीं बालों को अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लेती हैं। ऐसा ही कमाल मेक्सिको की रहने वाली एक पॉर्नलिफ्टर महिला ने कर दिखाया है। आपको जानकर हैरानी होगी कि उन्होंने महज अपने बालों के जरिए 75 किलोग्राम का वजन उठाया है। ऐसा करके उन्होंने अपना नाम गिनीज बुक में शामिल कर लिया है।

मेक्सिको के पोटाोसी स्थित सैन लुइस की रहने वाली डायना एलिजाबेथ ब्रैट्स



हर्मोसिलो ने यह हैरतअंगेज कारनामा कर दिखाया। वह पेशे से एक प्रतिभाशाली सर्कस कलाकार भी हैं। उन्होंने 28 फरवरी, 2026 को ले पाज थिएटर में यह रिकॉर्ड कायम किया।

कैसे कर पाई यह काबिले तारीफ कारनामा ?

तैयारी के दौरान एलिजाबेथ ने जिम में रखा भारी डिस्क को एक स्टील की चेन में जोड़ा था। ऐसा करके उन्होंने एक ऐसा उपकरण बना लिया, जिसे वह अपनी चोटियों से जोड़ सकती हैं। धीरे-धीरे करके उन्होंने वजन बढ़ाना शुरू किया और रोडाना अग्र्यास भी करती रहीं। रिकॉर्ड प्रयास से पहले उन्होंने बालों की 2 बराबर भागों में बाँटकर 2 चोटियां बनाईं और उन्हें एक रखर बैंड से एक साथ जोड़ा। इसके बाद उन्होंने चेन लटकाकर वजन को उठाया।

एलिजाबेथ का दूसरा करतब देख भी हैरान ये लोग

एलिजाबेथ ने न केवल बालों से 75.35 किलोग्राम वजन उठाया, बल्कि उसे 14 सेकंड तक उठाए रखने में कामयाब भी रहीं। एलिजाबेथ यहीं नहीं रुकीं, बल्कि उन्होंने उसी रात एक और हैरतअंगेज करतब कर दिखाया। अपने इस शानदार प्रदर्शन के बाद वह एक बार फिर मंच पर लौटीं और अपने पूरे शरीर का वजन हवा में केवल अपने बालों की ताकत से लटकाए रखी। इस कारनामे ने भी लोगों को दाँतो तले उंगलियां दबा लीं पर मजबूर कर दिया था।

पतंजलि में उपचार कराने आने वाले सभी मरीजों का डिजिटल मेडिकल रिकॉर्ड तैयार

पतंजलि के ‘वैलनेस’ का दुनिया में बढ़ रहा वैश्विक भरोसा, 1.38 करोड़ का हुआ उपचार, इनमें 88 देशों के हजारों विदेशी मरीज भी शामिल

हरिद्वार।

पतंजलि आज उन लाखों लोगों के लिए उम्मीद का केन्द्र बनकर उभरा है, जो जीवनशैली जनित रोगों से लंबे समय से जुझ रहे हैं। एजिंग, क्रानिक डिजीज और लाइफस्टाइल डिस्ट्रांडर से पीड़ित पतंजलि की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहे हैं। यही वजह है कि देश-दुनिया के 1.38 करोड़ से अधिक मरीजों ने बीते कुछ सालों में पतंजलि के ‘वैलनेस मॉडल’ पर अटूट भरोसा जताया है। दिलचस्प पहलू यह है कि इसमें 88 देशों के 45 हजार से अधिक विदेशी मरीजों का उपचार किया गया और इनका लगातार आना आयुर्वेद को वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। इसे और धार देने के लिए ‘पतंजलि इंटीग्रेटेड हेल्थ मॉडल’ की ओर पतंजलि ने कदम बढ़ा दिए हैं।

इलेक्ट्रानिक मेडिकल रिकार्ड के मुताबिक पतंजलि आयुर्वेदिक हॉस्पिटल, वैलनेस और चिकित्सालयों में यूरोप, मध्य-पूर्व, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका समेत करीब 88 देशों के 45 हजार से अधिक विदेशी उपचार कराने आ चुके हैं। इन्हीं कुछ वजहों से देश में 60% से अधिक आयुर्वेद वैलनेस की डिमांड बीते कुछ सालों में बढ़ी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि आयुर्वेदिक वैलनेस रिट्रीट की बढ़ती लोकप्रियता में पतंजलि की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जाहिर है देश में ‘वैलनेस टूरिज्म’ का सपना देख रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच को पंख लगाने की सोच में पतंजलि का भी बड़ा योगदान दे रहा है। ऐसे में इस बात से कतई इंकार नहीं किया जा सकता है कि देश की जीडीपी में भी कहीं न कहीं पतंजलि सहायक भूमिका में है। दुनिया के लिए भारत आयुर्वेद का केवल विकल्प नहीं बल्कि भरोसेमंद इलाज का प्रारूप बनता जा रहा है।

डब्ल्यूएचओ और आयुष मंत्रालय की सोच के अनुरूप पतंजलि ‘वैलनेस’

पतंजलि वैलनेस नेटवर्क के आंकड़े बताते हैं कि कुल मरीजों में लगभग 43% महिलायें और 57% पुरुष हैं। जिससे स्पष्ट है कि महिलायें भी अब आयुर्वेद आधारित उपचार को अपना रही हैं। वरिष्ठ नागरिकों का भी बड़ा भरोसा आयुर्वेद पर जगा है। पतंजलि उन्हें सुरक्षित, संतुलित और आशाजनक स्वास्थ्य समाधान प्रदान कर रहा है। पतंजलि वैलनेस का मॉडल विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और आयुष मंत्रालय की उस सोच के अनुरूप है, जिसमें पारंपरिक चिकित्सा को सावैभौमिक स्वास्थ्य कवरेज का महत्वपूर्ण हिस्सा माना गया है।

► इस नियुक्ति के साथ एलन कॅरियर

इंस्टीट्यूट ने बोर्ड में बदलाव पूरा किया

► इस बदलाव के बाद सभी चारों संस्थापकों

ने बोर्ड की जिम्मेदारियां अगली पीढ़ी को सौंप दी हैं, जो अगले 100 वर्षों के लिए एलन के निर्माण के विजन को और मजबूत करता है

कोटा। नेक्स्ट-जेनरेशन लीडरशिप की दिशा में बदलाव को आगे बढ़ाते हुए एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड ने अमन माहेश्वरी को बोर्ड आफ डायरेक्टर्स (निदेशक मंडल) में नियुक्त किए जाने की घोषणा की है। इस नियुक्ति के साथ एलन के सभी चारों फाउंडर्स ने अगली पीढ़ी को जिम्मेदारियां सौंपने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। यह बदलाव एलन के अगले 100 वर्षों के भविष्य के लिए तैयार दीर्घकालिक विजन को दर्शाता है।

अमन माहेश्वरी निदेशक मंडल में नेक्स्ट-जेनरेशन के साथी डायरेक्टर्स अविरल माहेश्वरी, आनंद माहेश्वरी और केशव माहेश्वरी के साथ शामिल हुए हैं। वे एलन के ग्लोबल स्टडीज डिवीजन का नेतृत्व करने के अनुभव के साथ-साथ भारत, यूईई, यूनाइटेड किंगडम और यूरोप में शिक्षा एवं प्रोफेशनल अनुभव से विकसित अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण लेकर आए हैं। उनकी नियुक्ति एक सुनियोजित बदलाव के पूरा होने का प्रतीक है, जिसमें एलन के संस्थापक मूल्यों, प्रोफेशनल लीडरशिप के अनुभव और नेक्स्ट-जेनरेशन निदेशकों की ऊर्जा का समावेश है।

इस बदलाव पर संस्थापक राजेश माहेश्वरी ने कहा कि अमन के बोर्ड में शामिल होने के साथ एलन की यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय पूरा हुआ है। हमारे प्रत्येक नेक्स्ट-जेनरेशन निदेशक की अपनी विशिष्ट क्षमता है और ग्लोबल एजुकेशन वर्टिकल के निर्माण में अमन का अनुभव बोर्ड के लिए महत्वपूर्ण दृष्टिकोण लेकर आएगा। मुझे विश्वास है कि यह सामूहिक नेतृत्व एलन के मिशन को आने वाली पीढ़ियों तक आगे बढ़ाएगा।

अपने बड़े बेटे अमन माहेश्वरी के बोर्ड में एंजीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में शामिल होने का स्वागत करते हुए एलन के संस्थापक डॉ. ब्रजेश माहेश्वरी ने कहा, बड़े बेटे अमन को यह

राशिफल

मेघ
संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष
खरों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन
शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पढ़न-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क
क्रोध एवं आदेश के अतिरेक से बचे। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह
कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या
कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचे। बातचीत में संतुलन बनाकर रखे।

तुला
लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय

वृश्चिक
संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेगे।

धनु
स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर
आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ
क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पढ़न-पाठन में रुचि

मीन
किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।



महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालते हुए देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने वर्षों से एलन की ग्लोबल एजुकेशन इनिशिएटिव को मजबूती से विकसित करने और उन्हें नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि बोर्ड में अपनी नई भूमिका में भी वे उसी समर्पण, प्रतिबद्धता और दूरदृष्टि के साथ कार्य करते हुए एलन को सफलता के नए आयामों तक ले जाएंगे। एक फाउंडर के रूप में हमारा सदैव प्रयास रहा है कि हम ऐसी संस्था का निर्माण करें, जो हमसे भी बड़ी हो और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत विरासत बने। अमन का एंजीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में यह दायित्व संभालना इसी दूरदर्शी सोच की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक कदम साबित होगा।”

नियुक्ति पर अमन माहेश्वरी ने कहा, “एलन के निदेशक मंडल में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। संस्था के साथ वर्षों से इसकी ग्लोबल एजुकेशन पहल के निर्माण एवं विस्तार में योगदान करते हुए मुझे एलन के मूल्यों को समझने के साथ-साथ भविष्य की संभावनाओं को जानने का अवसर मिला है। मैं अपने अनुभव और दृष्टिकोण को बोर्ड में लेकर आने, अपने साथी निदेशकों और लीडरशिप टीम के साथ मिलकर एलन के मूल आधार को और मजबूत करने, इनेवेशन को गति देने, वैश्विक पहुंच का विस्तार करने और उस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूँ, जिसने एलन को भारत के सबसे भरोसेमंद शिक्षा संस्थानों में से एक बनाया है।”

निदेशक उदय शंकर ने कहा कि अमन की नियुक्ति के साथ एलन का बोर्ड अब संस्था के अगले अध्याय को दर्शाता है। एक ऐसा अध्याय, जिसमें संस्थापकों का अनुभव, प्रोफेशनल मैनेजमेंट का अनुशासन और अगली पीढ़ी की नई ऊर्जा एक साथ है। इससे ऐसी गवर्नैस संरचना पूरी होती है, जो आने वाले दशकों तक एलन की उत्कृष्टता को बनाए रखने में सक्षम होगी।

सीईओ नितिन कुकरजा ने कहा कि ग्लोबल स्टडीज डिवीजन का नेतृत्व करते हुए वर्षों में अमन ने जो विश्वास अर्जित किया है, उसके आधार पर उनका बोर्ड में शामिल होना एक स्वाभाविक प्रगति है। लीडरशिप टीम के रूप में हम एलन के संचुरी विजन की दिशा में काम करते हुए उनके निरंतर मार्गदर्शन की उम्मीद करते हैं। इस नियुक्ति के साथ एलन के पुनर्गठित

निदेशक मंडल में उदय शंकर चेयरमैन के रूप में तथा अविरल माहेश्वरी, अमन माहेश्वरी, आनंद माहेश्वरी, केशव माहेश्वरी और प्रतीक गर्ग शामिल हैं।

अमन माहेश्वरी के बारे में

अमन माहेश्वरी एलन के ग्लोबल स्टडीज डिवीजन के प्रमुख हैं। जनवरी 2020 में एलन से जुड़ने के बाद से उन्होंने इंटरनेशनल अंडरवेजुएट एजुकेशन के लिए की गई पहल का नेतृत्व किया है। इसके तहत विद्यार्थियों को दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली यूनिवर्सिटीज में शिक्षा प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध कराने में मदद की गई है, जिसमें हार्वर्ड, एमआईटी, ऑक्सफोर्ड और अन्य ट्यूएस टॉप-200 यूनिवर्सिटीज शामिल हैं। उनके कार्यक्षेत्र में इंटरनेशनल एडमिशन स्टूटेजी, स्टूडेंट काउंसलिंग, स्टैंडड्राइज्ड टेस्ट प्रिपरेशन, प्रोफाइल बिल्डिंग और विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक भारतीय विद्यार्थियों के लिए विभिन्न शैक्षणिक मार्ग विकसित करना शामिल है। सेकंड-जेनरेशन बिजनेस लीडर के रूप में कई देशों में उनकी शिक्षा और प्रोफेशनल एक्सपेरियंस ने शिक्षा, उद्यमिता और युवा विकास के प्रति उनके वैश्विक दृष्टिकोण को आकार दिया है। अमन यूनिवर्सिटी ऑफ इंस्ट लंदन, यूके से एमबीए हैं और उन्होंने बिट्स पिलानी, दुबई कैपस से कंप्यूटर साइंस में स्नातक की डिग्री हासिल की है। स्कूली शिक्षा डीएवी पब्लिक स्कूल, कोटा से पूरी की है।

शिक्षा और बिजनेस के अलावा क्रिकेट भी अमन की अंतरराष्ट्रीय यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में कोएशिया का प्रतिनिधित्व किया है। इसमें 2022 में फिनलैंड और 2024 में जर्मनी में हुए वरुड का वर्गलिफाईंग टूर्नामेंट शामिल है। वे कोएशिया और पड़ोसी यूरोपीय देशों में कोएशियाई घरेलू क्रिकेट से भी सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं।

एलन कैरियर इंस्टीट्यूट के बारे में

1988 में कोटा, राजस्थान में स्थापित एलन कैरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड भारत के प्रमुख शिक्षा संस्थानों में से एक है, जो जेईई-मैन एवं एडवांस्ड, जीएट-यूजी, ओलंपियाड और अन्य राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं सहित विभिन्न

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को शिक्षित करता है। पिछले ३८ वर्षों में एलन ने शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुभवी फैकल्टी, विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा और निरंतर बेहतर परिणामों के प्रति अजीब प्रतिबद्धता के माध्यम से लाखों विद्यार्थियों और अभिभावकों का विश्वास अर्जित किया है। आज यह संस्थान भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्वासरूम प्रोग्राम्स और डिजिटल लर्निंग प्लैटफॉर्मस का एक मजबूत इकोसिस्टम संचालित करता है।

बाएँ से दाएँ

- राजीव गांधी की पत्नी का नाम –3,2
- उदारात,बडप्पन-4
- भोजन,खाद्य पदार्थ- 2
- अग्रही,रक्षा करने वाला- 3
- अपशिष्ट पदार्थ - 2
- कामदेव ,चंद्रमा- 4
- नाडी, नस- 2
- जबरन, जबरदस्ती- 3
- वायदा, वचन- 2
- भवन,आलय- 3
- आई,हुनर- 2
- खावागाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
- उद्देश्यहीनता-5
- परिणाम- 2
- अंजन, नेत्रांजन- 3
- सांझ,संध्या- 2
- अधीन- 3
- निश्चित- 2
- निष्ठावान,सत्तानिष्ठ- 4
- बेइमान,संधमार- 2

- दाम,मूल्य- 3
- एक छोटी सवारी गाड़ी- 2
- मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना- 4
- ऊपर से नीचे
- स्वर्ण,कनक- 2
- गुजर करना- 3
- धैर्यवान- 3
- राशिचक्र की एक राशि- 3
- आंशिक भीगा
- हुआ- 2
- सामंजस्य- 4
- यायावर,बंजारा-5
- चुनाव,वोटिंग-4
- दुख,कष्ट- 2
- यज्ञ,होम- 3
- कमरा,रूम- 2
- उम्मीद,आस- 2
- जुड़वा- 3
- प्याला- 2

- हृदय,हार्ट- 2
- निकुष्टर- 4
- बलवान,दमदार- 5
- स्वदेशवासी- 5
- आलसी,निठल्ली- 4
- आदत- 2
- भरोसा,विश्वास- 3
- आंचल,पल्लु- 3
- अंग्रेजी शराब का एक प्रकार- 2
- समय, वक्त- 2

शब्द पहेली - 6334 का हल

शब्द पहेली - 6334 का हल

श	व्	स्व्	सु	र	ख	न	की	र
नौ	र	ख	त	न	ग	म		
ज	य	ह	म	ला	व	र	म	ल
बा	र			न				
न	ख	ज	त	त	अ	न	मो	ल
र	ह	ग	म	खो	र	ह		
अ	दि	क्षी	त	ला	ज	मा	न	त
स	ग			म			सि	ह
मा	र	क	म	त	र	ता	ह	ल
न		मा	ही		ज	ड		व्य
म	स	ल	न	क	ग	ग	त	

पारंपरिक चिकित्सा पद्धति पर दुनिया का विश्वास लगातार बढ़ रहा:स्वामीजी

योग, आयुर्वेद, नेचुरोपैथी, संतुलित आहार और वैज्ञानिक उपवास आधारित जीवनशैली आज करोड़ों लोगों के लिए स्वास्थ्य और नई आशा का माध्यम बन रही है। 90 से 99 प्रतिशत रोगियों को इन प्राकृतिक पद्धतियों से लाभ और राहत मिलना इस बात का प्रमाण है कि भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति पर दुनिया का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। हमारा संकल्प योग, आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को एकीकृत कर ऐसा इंटीग्रेटेड हेल्थ सिस्टम विकसित करना है, जो केवल रोगों का उपचार ही नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन को स्वस्थ और संतुलित बनाए। आने वाले समय में भारत विश्व का सबसे बड़ा हेल्थ एवं वेलनेस डेस्टिनेशन और समग्र चिकित्सा का वैश्विक केंद्र बनेगा और इस दिशा में पतंजलि की भूमिका सबसे अवगी और प्रेरणादायी होगी।

इन राज्यों से पतंजलि आ रहे सबसे अधिक मरीज

वैसे तो पतंजलि में उपचार कराने आने वाले देश के हर राज्य और विदेश से मरीज आते हैं। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि उत्तरप्रदेश, गुजराखंड, बिहार, झारखंड, उत्तरांचल, हरियाणा और महाराष्ट्र से मरीजों की संख्या दूसरे राज्यों के मुकाबले कई गुना अधिक है।

ऐसे समझे कैसे पतंजलि हेल्थ क्रांति की ओर बढ़ रहा

-1.38 करोड़+ मरीजों का इलाज
-57% पुरुष, 43% महिलाएं
-46% मरीज 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के
-99.7% भारतीय, 45 हजार विदेशी मरीज
-88+ देशों के मरीजों का उपचार
-5000+ डॉक्टर, 500+ वैज्ञानिक
-10 लाख से अधिक योगा वॉलंटियर
-1 लाख से अधिक निशुल्क योगा क्लास
-15000 निशुल्क ओपीडी प्रतिदिन
-500 से अधिक रिसर्च पेपर

दक्षिण पूर्व रेलवे में चलाया गया व्यापक स्वच्छता अभियान

कोलकाता। दक्षिण पूर्व रेलवे ने स्टेशनों एवं सर्कुलेंटिंग क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान को और तेज कर दिया है। इस अभियान का विशेष जोर स्वच्छ, स्वच्छतापूर्ण एवं यात्रियों के अनुकूल वातावरण बनाए रखने पर है। यह स्वच्छता अभियान खड़गपुर, आद्रा, चक्रधरपुर एवं रांची मंडलों में चलाया जा रहा है। स्टेशन परिसरों, प्लेटफॉर्मों, सर्कुलेंटिंग क्षेत्रों, प्रतीक्षालयों, फूट ओवर ब्रिज, शौचालयों, पेयजल स्थलों तथा अन्य यात्री सुविधाओं वाले क्षेत्रों में गहन सफाई की जा रही है। दक्षिण पूर्व रेलवे अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से भी स्वच्छता अभियान चला रहा है तथा यात्रियों से स्टेशनों एवं रेलवे परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने की अपील की जा रही है।

अभियान के तहत कचरे को नियमित रूप से हटाने, कचरे का उचित पृथक्करण, यात्री क्षेत्रों की सफाई तथा अपशिष्ट का समय पर निस्सारण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पटरियों तथा स्टेशन परिसरों से सटे क्षेत्रों की स्वच्छता की भी लगातार निगरानी की जा रही है। अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों को स्टेशनों का नियमित निरीक्षण करने तथा पाई गाई कमियों का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के तहत पर्याप्त संख्या में कूड़ेदानों की उपलब्धता एवं ठोस कचरे के उचित निस्सारण की भी व्यवस्था की जा रही है। इस पहल के अंतर्गत यात्रियों एवं रेल उपयोगकर्ताओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। यात्रियों से निष्पत्ति कूड़ेदानों का उपयोग करने, इधर-उधर कचरा न फैलाने तथा रेलवे



म.प्र. राज्य वन विकास निगम लिमिटेड
वन भवन, ब्लॉक-सी, प्रथम तल, लिंक रोड नं. 2, तुलसी नगर, भोपाल
वनोपज के घोष विक्रय की सूचना

मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम के विभिन्न परियोजना मंडलों के काष्ठगारों में माह सितम्बर 2026 हेतु विभिन्न स्थलों में ईमारती काष्ठ, जलाऊ काष्ठ, बांस एवं अन्य सामग्री के नीलाम हेतु तिथियां पूर्व से अधिसूचित हैं। नीलाम की तदर्थ तिथियां, तथा काष्ठगारों में विक्रय हेतु उपलब्ध वनोपज एवं राजसात/अपलेखित वाहनों की जानकारी मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम की वेबसाइट www.mpsfdc.com पर देखा जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन हेतु नीलाम निनांक से पूर्व वेबसाइट को देखना सुनिश्चित करें।

म.प्र. माध्यम/127827/2026

प्रबंध संचालक

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. (वि/यां.) संभाग क्र. 1
शेड नं. 11-ए बारह दफ्तर जवाहर चौक भोपाल पिन कोड 462003
web site: www.mppwv.gov.in
निविदा क्रमांक 80/2026-27

e-mail:- eeepwdelecbp1@mp.nic.in
भोपाल, दिनांक 31/08/2026

// निविदा आमंत्रण सूचना //
https://www.mptenders.gov.in पर भी देखा जा सकता है।

निम्नलिखित कार्यों के लिये ई-टेंडरिंग द्वारा ऑन-लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण **https://www.mptenders.gov.in** पर भी देखा जा सकता है।

क्र.	पोर्टल टेंडरर नं	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	टेके की अनु. राशि (रु.लाख में)
1	2	3	4	5	6	7
1.	2026-PWDRB-532925_1	भोपाल	डिपॉजिट कार्य	हमीदिया हॉस्पिटल एवं GMC कैपस भोपाल में स्थापित सभी लिफ्टों के व्यापक रखरखाव एवं संचालन का कार्य । (एक वर्ष के लिए)	प्रथम	287.416

उपरोक्त बेब साईट से ऑन लाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेंडरर डाक्यूमेन्ट) बेब साईट के माध्यम से दिनांक 18/09/2025 सांय 5.30 बजे तक प्राप्त हो सकेगा। विस्तृत एन. आई. टी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त बेब साईट में देखा जा सकती है। निविदा में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनों को समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। यह संशोधन केवल विभागीय वेबसाईट <http://www.mptenders.gov.in> पर ही प्रकाशित किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. (वि/यां.) संभाग क्र. 1, भोपाल

रम्भावर स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

शब्द पहेली - 6335

शब्द पहेली - 6335

	1	2		3	4	5	6
7					8		9
			10			11	12
13				14		15	16
				17		18	
19	20		21		22		23
					24		
26		27	28			29	
			30	31		32	
						33	
34	35		36				37
						38	
38						39	

सूडोकु नवताल - 6345								☆☆☆☆			
								सदल			
				2						3	
			9		8				2	6	4
1					3	6				9	
4		3									
	8				2					1	
									8		6
	4		7	5							3
3	7	5			4			1			
	2					8					

सूडोकु नवताल - 6344 का हल											
■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें जाने आवश्यक हैं।	8	4	5	6	1	3	7	2	9		
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।	7	2	6	4	9	5	3	8	1		
	9	3	1	7	8	2	6	5	4		
	1	7	2	9	6	8	4	3	5		
	5	6	9	3	2	4	1	7			

नेपाल बाढ़ त्रासदी

एजेसी ► नई दिल्ली

नेपाल में आई बाढ़ ने इतनी तबाही मचाई है कि इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि अब तक इस आपदा में जहां 1,000 से ज्यादा लोगों की जान गई है, वहीं अभी भी हजारों लोग लापता हैं, जिन्हें ढूंढने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। नेपाल पुलिस ने बताया है कि रसुवा में भोटे कोशी नदी में आई भयानक बाढ़ के बाद 1,058 शव मिले हैं। वहीं 4,606 लोग लापता हैं। वहीं, 12 हजार से लोग ज्यादा बचाए गए। खोज, बचाव, शव प्रबंधन और राहत कार्य जारी हैं। इस काम के लिए कुल 7,912 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। इनमें से 65 कर्मी प्रभावित हुए हैं और 25 से संपर्क नहीं हो पा रहा है। आपातकालीन टीमें हेलिकॉप्टर और अन्य विमानों का इस्तेमाल करके उन इलाकों में फंसे लोगों तक पहुंच रही हैं, जहां बाढ़ और भूस्खलन के कारण सड़क संपर्क टूट गया है।

खबर संक्षेप

नॉर्वे सम्राट के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने नई दिल्ली स्थित नॉर्वे दूतावास जाकर सम्राट हेराल्ड पंचम के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोक पुस्तिका में भारत सरकार और देश की जनता की ओर से अपनी संवेदनाएं दर्ज कीं। उन्होंने दिवंगत सम्राट की नॉर्वे के प्रति समर्पित सेवाओं और भारत-नॉर्वे संबंधों को मजबूत बनाने में उनके योगदान को भी स्मरण किया। इस दौरान भारत में नॉर्वे की राजदूत मे-एलिन स्टेनर और दूतावास के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

पाकिस्तान में 125 साल पुराना मंदिर गिराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक 125 साल से ज्यादा पुराने हिंदू मंदिर को मदरसा बनाने के लिए गिरा दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'तेहरीक-ए-लब्बेक पाकिस्तान' नाम की एक प्रतिबंधित कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी के सदस्यों ने मंदिर को 21 अगस्त को गिरा दिया था, ताकि इस जमीन को मदरसे में शामिल किया जा सके। सरकार का दावा है कि 100-125 साल पुराना यह मंदिर भारी बारिश की वजह से खुद ढह गया।

पूर्वोत्तर राज्यों में सेना की बड़ी कार्रवाई

एजेसी ► नई दिल्ली

पूर्वोत्तर राज्यों में मादक पदार्थों और प्रतिबंधित सामान की तस्करी के खिलाफ भारतीय सेना ने व्यापक अभियान चलाया है। इन अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने 300 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के नशीले पदार्थ और प्रतिबंधित सामान बरामद किए हैं। यहां हेरोइन, अफीम, मॉर्फिन व ब्राउन शुगर जैसे नशीले पदार्थ बरामद किए गए हैं। मणिपुर, असम और मिजोरम के अलग-अलग जिलों में यह कार्रवाई की गई।

रूस का यूक्रेन पर हवाई हमला मारे गए 12 में एक भारतीय भी शामिल, जताई संवेदना

एजेसी ► कीव

रूस की ओर से यूक्रेन में रातभर किए गए बड़े हवाई हमले में मारे गए 12 लोगों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जैलेस्की एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कुल 12 लोग मारे गए, जिनमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है और हमले में दर्जनों अन्य लोग घायल हुए हैं। जिन लोगों ने अपने परिवार और प्रियजनों को

12 हजार से लोग ज्यादा बचाए गए

7,912 पुलिस कर्मियों को तैनात किया



बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हेलिकॉप्टर से राहत अभियान जारी



... बचपन की बेफिकी

आपदा प्रभावित रसुवा क्षेत्र में बच्चे खेलते हुए

बाढ़ में बह गई बैंक की तिजोरियां

बाढ़ में बह गए कम से कम 20 बैंकों के लापता तिजोरियों का पता लगाने और उन्हें सुरक्षित करने के लिए पुलिस जट्टोजहद कर रही है, ताकि वे गलत हाथों में न पड़ें। इनमें से कुछमें भारी मात्रा में कैश और अन्य कीमती सामान हैं। डीआईजी अब्बी नारायण काफले ने

कहा कि बाढ़ के बाद की मुश्किल स्थिति में प्रभावित इलाकों में कानून-व्यवस्था भी बनाए रखना जरूरी है। रसुवा, धाडिंग, वितवन और दूसरी जगहों पर कई बैंक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए थे। जैसी कीमती चीजें थीं।

भारतीय दूतावास ने शवों की शिनाख्त के लिए दिशा-निर्देश जारी किए

डीएनए और फॉरेंसिक सैपल मिलान जरूरी



नेपाली अधिकारी शवों की शिनाख्त कर अस्पताल ले जा रहे

दूतावास ने कहा कि नेपाल सरकार ने शवों को अस्थायी रूप से दफनया है। ऐसे शवों की पहचान के लिए प्रथम-श्रेणी के रिश्तेदारों के साथ डीएनए मिलान की आवश्यकता होगी। नेपाली अधिकारी डीएनए प्रोफाइल बनाने के लिए शवों से डीएनए के नमूने ले रहे हैं। मिलान के लिए, मुक्तों के करीबी रिश्तेदार अपना डीएनए प्रोफाइल ईमेल **dna-codis@nepalpolice.gov.np** पर भेज सकते हैं या नेपाली अधिकारियों द्वारा मंगी गई प्रारंभिक जानकारी के साथ अपने खून के नमूने दे सकते हैं।

भारतीय दूतावास के हेल्पलाइन नंबर पर करें संपर्क

डीएनए प्रोफाइलिंग से संबंधित अन्य जानकारी नेपाल पुलिस की वेबसाइट **https://www.nepalpolice.gov.np/** और उनके हेल्पलाइन नंबर +977 9841616095 पर उपलब्ध है। किसी भी अतिरिक्त सहायता या पूछताछ के लिए, भारतीय दूतावास से संपर्क करने के लिए +977 9851316807, +977 9709107500, या +977 9810326117 पर संपर्क किया जा सकता है।

26वें शंघाई शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने विश्व को चेताया

आतंकवाद पूरी ‘मानवता’ के लिए गंभीर खतरा, कट्टरपंथी सोच पर लगाएं लगाम

विश्व अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रहा

तीन बातों सुरक्षा, संपर्क और अवसर का किया उल्लेख

लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना जरूरी



एससीओ में संबोधित करते पीएम मोदी

एजेसी ► बिश्केक

पीएम नरेंद्र मोदी ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 26वें एससीओ समिट में विश्व को आतंकवाद के प्रति सचेत करते हुए आतंकवाद के पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि कट्टरपंथी सोच को बढ़ावा देने वाले तत्वों पर रोक लगानी होगी। इस सम्मेलन में पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ भी शामिल हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले पच्चीस वर्षों में एससीओ ने यूरोशिया के विशाल भूभाग में संवाद और सहयोग की एक मजबूत परंपरा विकसित की है। हमने मिलकर अपने लोगों की भलाई के साथ-साथ मानवता के विकास में भी बहुमूल्य योगदान दिया है। इन पच्चीस वर्षों में हमने सहयोग की मजबूत नींव तैयार की है। अब आने वाले पच्चीस वर्षों में हमारा लक्ष्य इस सहयोग को स्पष्ट परिणामों में बदलने का होना चाहिए।

पीएम मोदी ने आतंकवाद को लेकर भारत की मंशा स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि आतंकवाद आज भी पूरी मानवता के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। इसके विरुद्ध लड़ाई में हम एक्शन-रिस्पॉन्स की सोच तक सीमित नहीं रह सकते। हमें आतंकवाद के वित्तपोषण, अर्थात्, कट्टरपंथ और सुरक्षित पनाहगहों के पूरे परिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) को ध्वस्त करना होगा। हमें एक स्वर में बोलना होगा कि इस गंभीर विषय पर द्विपक्षीय मापदंड के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता।

आतंकवाद पर द्विपक्षीय मापदंड नहीं चलेंगे

युद्ध का समाधान बातचीत से ही संभव

पीएम ने एक दूसरे से जुड़े रहने को दुनिया के लिए जरूरी करार दिया। उन्होंने कहा कि आज की इंटरकनेक्टेड दुनिया में सुरक्षा की परिधि और भी व्यापक हो चुकी है। पश्चिम एशिया के संकट ने यह दिखाया है कि किसी एक क्षेत्र का संघर्ष वहीं तक सीमित नहीं रहता। उसका प्रभाव पूरे विश्व की घुंघरी सिक्योरिटी, मैरीटाइम ट्रेड और सैलाइंड चेनस पर पड़ता है। इसका सबसे अधिक खामियाजा ग्लोबल साउथ के देशों को भुगतना पड़ता है। इसलिए भारत का आह्वान रहा है कि सभी तनावों और युद्धों का समाधान बैटलफील्ड पर नहीं, डायलॉग और डिप्लोमेसी से ही संभव है।

भारतीय सेना का बड़ा कदम

पहले चरण में 41 आर्मी स्टेशनों को ‘पीएनजी’ से जोड़ा जाएगा

एजेसी ► नई दिल्ली

भारतीय सेना अब अपने सैन्य प्रतिष्ठानों में पारंपरिक ईंधन की जगह पाइपड नेचुरल गैस (पीएनजी) को बढ़ावा देने की तैयारी में जुट गई है। पहले चरण में 41 आर्मी स्टेशनों को पीएनजी से जोड़ने का लक्ष्य है। इसी कड़ी में दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में ‘पीएनजी ट्रांजिशन वेबिनार-2026’ आयोजित किया गया। सेना का लक्ष्य है कि जहां भी पीएनजी की सुविधा व्यवहारिक रूप से उपलब्ध है, वहां सैन्य प्रतिष्ठानों को चरणबद्ध तरीके से इससे जोड़ा जाए। सेना ने वित्त वर्ष 2026-27 में 41 आर्मी

जन्माष्टमी पर ‘दही हांडी’ फोड़ने के लिए रिहसल



मुंबई। हर साल भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस साल भगवान श्रीकृष्ण का 5253 वां जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस बार 4 सितंबर के दिन आधी रात को 12 बजे रोहिणी नक्षत्र में श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। मुंबई में ‘दही हांडी’ के आने वाले जश्न से पहले रिहसल के दौरान, महिलाओं की एक गोविंदा मंडली की सदस्य मिट्टी की हांडी फोड़ने के लिए एक छोटी बच्ची को अपने कंधों पर उठाए हुए संतुलन बनाती हुई। ‘निर्मया महिला गोविंदा पथक’ की सदस्य इस बड़े त्योहार की तैयारी के लिए इसानी पिरामिड बनाने का अभ्यास कर रही थीं।

भारत-जर्मनी ने आर्द्रभूमियों के संरक्षण पर संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए

पर्यावरण चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी सहयोग पर जोर

समाधान के लिए नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा, संसाधन दक्षता पर ध्यान देंगे



संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करते भूपेंद्र यादव और कार्स्टेन श्नाइडर

1 करोड़ रोजगार सृजन की क्षमता

भूपेंद्र यादव ने जलवायु परिवर्तन से निपटने योग्य भविष्य के निर्माण में सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय महत्वाकांक्षा और आर्थिक विकास परस्पर विरोधी लक्ष्य नहीं हैं। भारत की अर्थव्यवस्था में 2050 तक 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का बाजार मूल्य उत्पन्न करने और लगभग 1 करोड़ रोजगार सृजित करने की क्षमता है।

नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार में भारत आदर्श देश: जर्मन मंत्री श्नाइडर

जर्मन मंत्री कार्स्टेन श्नाइडर ने कहा कि भारत में नवीकरणीय ऊर्जा का तेजी से विस्तार हो रहा है, जिसमें देश भर में सौर पैनल और पवन टर्बाइन लगाए जा रहे हैं, जो इसे विश्व के अन्य क्षेत्रों के लिए एक आदर्श बनाता है। उन्होंने कहा कि भारत वास्तव में भविष्य का देश है, जो प्रगति की प्रबल भावना और युवा आशावादी में प्रेरणादायक नवीनोपेक्षा भावना से परिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत-जर्मनी संबंधों की नींव मजबूत है, और दोनों देश इस वर्ष राजनयिक संबंधों के 75 वें पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। जलवायु अनुकूलन और आर्द्रभूमि संरक्षण पर सहयोग बढ़ाने के निर्णय का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देश संयुक्त परियोजनाएं विकसित करेंगे और ज्ञान एवं अनुभव साझा करेंगे।



